राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 26 अप्रैल 2025 वर्ष-8, अंक-66 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इजरायल और जापान के राजदूत ने कहा- आतंकवाद पर हम भारत के साथ

नई दिल्ली । अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जापान और इजरायल समेत दुनिया के तमाम देश भारत पर हुए आतंकी हमले की निंदा कर रहे हैं। शुक्रवार को जापान और इजरायल के राजदूतों ने नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से अलग-अलग मुलाकात की और भारत के साथ एकजुटता की बात कही। इजरायल के राजदूत रुवेन अजार ने भारत के प्रति इजराइल का समर्थन व्यक्त किया। जापान के राजदूत केइची ओनो ने आतंकवाद की निंदा करते हुए भारत के साथ अपनी एकता व्यक्त की है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ओनो केइची ने शुक्रवार को रक्षा सचिव से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस बैठक के दौरान जापान के राजदूत ने हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले समेत आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की। इस दौरान, दोनों पक्षों ने जापान और भारत के बीच चल रहे रक्षा सहयोग की समीक्षा की। भारत और जापान अपने रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही दोनों देश अपने रिश्तों को और बेहतर एवं विस्तारित करने के नए अवसरों पर काम कर रहे हैं। इजराइल के राजदूत ने भी शुक्रवार को नई दिल्ली में रक्षा सचिव से मुलाकात की। यह मुलाकात काफी अहम रही। इजरायल के राजदूत ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में पर्यटकों की मौत पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने भारत के प्रति इजराइल के समर्थन की पुष्टि की। साथ ही, भारत-इजरायल मैत्री एवं रक्षा सहयोग पर भी बात हुई। भारत और इजराइल के बीच रक्षा उद्योग और सुरक्षा में सहयोग पर भी चर्चा की गई।

हमारा हमेशा मानना रहा है कि सिंधु जल संधि जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए सबसे अनुचित है - उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले को लेकर केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं। इनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करने का फैसला भी शामिल है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सरकार के फैसले पर कहा कि जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, हम कभी भी सिंधु जल संधि के पक्ष में नहीं रहे हैं। हमारा हमेशा मानना रहा है कि सिंधु जल संधि जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए सबसे अनुचित है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तान कनेक्शन सामने आने के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाते हुए पड़ोसी देश पर कई प्रहार किए हैं। जिसमें सिंधु नदी समझौता स्थगित करना भी शामिल है। इस मुद्दे पर शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह अपने आवास पर एक बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल समेत कई सीनियर केंद्रीय मंत्री शामिल हो सकते हैं। इस बीच, भारत ने पाकिस्तान को औपचारिक पत्र लिखकर सिंधु जल संधि को निलंबित करने की सूचना दे दी है।

सावरकर पर टिप्पणी, राहुल को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

कहा- स्वतंत्रता सेनानियों पर गैर-जिम्मेदाराना बयान ठीक नहीं; ट्रायल कोर्ट के समन पर रोक लगाई

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने वीर सावरकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ किसी को अनाप शनाप बोलने की इजाजत नहीं दे सकते। उन्होंने हमें आजादी दिलाई और हम उनके साथ क्या व्यवहार कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आप आगे से ऐसा कोई बयान देंगे तो हम स्वत- संज्ञान लेकर कार्रवाई करेंगे। स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में गैर-जिम्मेदाराना बयान मत दीजिए। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने सावरकर पर टिप्पणी के मामले में राहुल के खिलाफ ट्रायल कोर्ट के समन पर रोक लगा दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 4 अप्रैल को समन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राहुल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी।

आंतक रुपी बुराई के अंत के लिए ताकत की जरुरत : भागवत

धर्म पूछकर लोगों की हत्या करते, वे राक्षस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में बड़ा बयान देकर कहा है कि मौजूदा संघर्ष धर्म और अधर्म के बीच है, न केवल किसी संप्रदाय या धर्म के नाम पर। उन्होंने कहा कि जो लोग धर्म पूछकर लोगों की हत्या करते हैं, वे कट्टरपंथी हैं, और ऐसा आचरण राक्षसी प्रवृत्ति के लोगों हो सकते है। संघ प्रमुख ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की बात कह कर कहा कि अगर हमारे पास शक्ति है, तब दिखानी होगी। आरएसएस चीफ ने कहा, यह लड़ाई संप्रदायों या धर्मों के बीच नहीं है। इसका आधार जरूर धर्म और संप्रदाय है, लेकिन वास्तव में धर्म और अधर्म के बीच की जंग है। उन्होंने कहा, भारतीय सैनिकों या नागरिकों ने कभी किसी की धर्म पूछकर हत्या नहीं की। हिंदू कभी भी धर्म पूछकर हत्या नहीं करते। जो लोग धर्म पूछकर लोगों की हत्या करते हैं, वे कट्टरपंथी हैं, और ऐसा आचरण राक्षसी प्रवृत्ति का परिचायक है। उन्होंने कहा, इस कायरना हमले के बाद हमारे दिल में दर्द है। हम गुस्से में हैं लेकिन बुराई को नष्ट करने के लिए ताकत का इस्तेमाल करना होगा। रावण ने अपना इरादा नहीं बदला तब और कोई विकल्प नहीं था। प्रभु राम ने दुचारी रावण को सुधारने का मौका दिया था और उसके बाद मारा था।'' भागवत ने रावण के प्रसंग का उदाहरण देकर कहा, रावण भगवान शिव का भक्त था, वेद जानता था, लेकिन उसका मन और बुद्धि परिवर्तन को तैयार नहीं थे। इसके बाद राक्षस रावण का अंत प्रभु राम ने किया, क्योंकि परिवर्तन के लिए कभी-कभी विनाश आवश्यक होता है। उन्होंने कहा कि राक्षसी प्रवृत्ति के लोगों का अंत ही देश और धर्म की रक्षा के लिए जरूरी है। संघ प्रमुख ने कहा, इस हमले के बाद देश के हर नागरिक के मन में दुख और क्रोध होना स्वाभाविक है, क्योंकि राक्षसों के विनाश के लिए परमशक्ति की जरुरत होती है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ की बात, कहा

राज्य पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें और उन्हें वापस भेजें

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इस हमले के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने राज्यों में मौजूद पाकिस्तानियों की पहचान कर उन्हें तुरंत पाकिस्तान वापस भेजें।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात की और उन्हें कहा कि पाकिस्तानियों को उनके देश वापस भेजने में किसी भी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। यह कदम पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को किए गए आतंकवादी हमले के बाद उठाया गया है।

हमले का विवरण और पाकिस्तान से संबंध

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 से ज्यादा पर्यटकों की मौत हो गई। बताया गया है कि इस कायराना कृत्य को करते हुए आतंकियों ने अपने शरीर पर बॉडी कैमरा लगाया हुआ था और पूरी घटना की रिकॉर्डिंग की थी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह हमला संगठित था और इसके तार पाकिस्तान से जुड़े थे।

सिंधु जल संधि स्थगित, कड़े कदम उठाए

हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े फैसले लिए हैं। सबसे पहला कदम सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया है। इस फैसले का पाकिस्तान पर व्यापक असर होगा, क्योंकि इससे पाकिस्तान के बड़े हिस्से में कृषि के लिए पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। भारत सरकार अब पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाने के लिए पूरी तरह से तत्पर है, और इस कड़ी कार्रवाई से पाकिस्तान को एक मजबूत संदेश भेजने का प्रयास किया जा रहा है।

सेना प्रमुख द्विवेदी श्रीनगर पहुंच एलओसी के मौजूदा हालात की ली जानकारी

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को श्रीनगर पहुंचे। यहां सेना के कमांडर्स ने जनरल द्विवेदी को हालात और आतंकियों के खिलाफ सेना द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। सेना प्रमुख को एलओसी के मौजूदा हालात की भी जानकारी दी।

बता दें शुक्रवार सुबह एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से कुछ जगहों गोलीबारी हुई। भारतीय सेना ने इसका जवाब भी दिया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर आर्मी चीफ का यह दौरा काफी अहम है। भारतीय सेना प्रमुख यहां सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए शुक्रवार को श्रीनगर का यह दौरा कर रहे हैं। इस दौरान वह महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर जाएंगे। आर्मी चीफ की इस विजिट में उन्हें आतंकवादियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी जा रही है।

जम्मू कश्मीर में तैनात भारतीय सेना के टॉप कमांडर्स आर्मी चीफ को सैन्य संरचनाओं की भी जानकारी देंगे। आर्मी चीफ कश्मीर घाटी और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों द्वारा किए गए आतंकवाद विरोधी उपायों की भी जानकारी ले रहे हैं। आर्मी चीफ की इस विजिट के दौरान सेना की 15 कोर के कमांडर और राष्ट्रीय राइफल्स के अन्य कमांडर मौजूद थे। सेना प्रमुख अवंतीपोरा में विक्टर फोर्स के मुख्यालय का दौरा करेंगे। यह सेना का एक डिवीजन है जो दक्षिण कश्मीर में ऑपरेशन का प्रभारी है। सेना प्रमुख को मौजूदा ऑपरेशन की स्थिति और निकट भविष्य के लिए तैयार किए जा रहे सुरक्षा तंत्र के बारे में जानकारी दी जाएगी।

जनरल द्विवेदी श्रीनगर में चिनार कोर के मुख्यालय का भी दौरा करेंगे। यहां वे उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल सुचेंद्र कुमार और 15 कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव से साथ बैठक करेंगे। बैठक में व्यापक सुरक्षा समीक्षा की जाएगी तथा सैन्य योजनाओं व जरुरी बदलावों पर चर्चा की जा सकती है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से सेना ने इलाके में आतंकवादियों के खिलाफ सघन अभियान चला रखा है। बता दें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने मंगलवार को पर्यटकों पर गोलियां बरसाई थीं। इस आतंकी हमले में 28 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से सेना व सुरक्षाबलों ने संदिग्ध स्थानों की घेराबंदी कर रखी है। सेना बल हेलीकॉप्टर से निगरानी कर रहा है।

राहुल गांधी श्रीनगर में घायलों से मिलकर बोले- आतंकवाद के खिलाफ सरकार को हमारा पूरा समर्थन

श्रीनगर (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में हुए घायलों से मुलाकात की। यहां उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत सरकार जो भी कार्रवाई करेगी, उसे वे और उनकी पार्टी पूरी तरह से समर्थन करेंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने घायलों से मुलाकात कर उनसे हाल जाना और कहा, कि इस वक्त पूरा देश एकजुटता के साथ खड़ा है और हम आतंकवाद को हराने में सफल होंगे। राहुल ने आतंकी हमले में घायल हुए लोगों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा, यह देखकर बहुत दुख होता है कि कुछ लोग कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों में मेरे भाइयों और बहनों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा यह वक्त एकजुटता दिखाने का है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को एकजुट होकर जीता जाएगा।

एलजी और सीएम से की मुलाकात

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी मुलाकात की। इस बीच उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी और वे व्यक्तिगत रूप से राज्य के लोगों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, कि मैं यहां यह जानने आया हूं कि क्या हो रहा है और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस भयानक आतंकी हमले की निंदा की है और आतंकवादियों के खिलाफ संपूर्ण देश ने समर्थन किया है। राहुल गांधी ने विपक्ष की ओर से भी सरकार को समर्थन देने की बात की। उन्होंने कहा, कल हमने सरकार के साथ बैठक की और संयुक्त विपक्ष ने इस आतंकी हमले की निंदा की। हमने कहा कि सरकार जो भी कार्रवाई करना चाहती है, हम उसका समर्थन करेंगे।

भाई से भाई को लड़वाने की साजिश

राहुल गांधी ने इस आतंकी हमले को समाज को बांटने और भाई को भाई से लड़वाने की साजिश करार दिया और कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट हो, एक साथ खड़ा हो, ताकि हम आतंकवादियों को हरा सकें। उन्होंने कहा, आतंकी कितनी भी कोशिश कर लें, लेकिन हम उन्हें हरा देंगे।

पहलगाम आतंकी हमले पर सियासत शुरू, कांग्रेस का सवाल,

क्या पीएम मोदी लेंगे इस चूक की जिम्मेदारी, क्या गृह मंत्री देंगे इस्तीफा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर देश में अब सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर कई बड़े सवाल खड़े किए हैं और गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगा है। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ कांग्रेस द्वारा आयोजित मोमबत्ती विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। कांग्रेस ने एक्स पर एक वीडियो साक्षा करते हुए लिखा कि पहलगाम आतंकी हमला कई सवाल खड़े करता है। इसके साथ ही कांग्रेस ने कुछ सवाल पूछे है। इसमें कहा गया है कि सुरक्षा में चूक कैसे हुई? इंटेलिजेंस फेल कैसे हुआ? आतंकी बॉर्डर के अंदर कैसे आए? 28 लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन? क्या गृह मंत्री अपने पद से इस्तीफा देंगे? क्या पीएम मोदी इस चूक की जिम्मेदारी लेंगे?

वहीं, एक अन्य पोस्ट में कांग्रेस ने पूछा है कि पीएम मोदी, कैसे हुई इतनी बड़ी चूक? कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि हमने इस भयानक आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। हम सरकार से कड़ी प्रतिक्रिया चाहते हैं, इस संबंध में कांग्रेस ने अपना पूरा समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि जम्मू-कश्मीर में तीन स्तरीय सुरक्षा नेटवर्क है, पहलगाम पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय है, इसलिए न्याय और जवाबदेही की जरूरत है।

गोगोई ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान आतंकवादी हमलों के जरिए जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करना चाहता है और कहा कि इस देश के लोग उन्हें सफल नहीं होने देंगे। गोगोई ने एएनआई से कहा, 'हम पाकिस्तान की मंशा को समझते हैं, जो जम्मू-कश्मीर, भारत को अस्थिर करना है। हम पाकिस्तान को सफल नहीं होने देंगे। जम्मू-कश्मीर एकजुट, शांतिपूर्ण और समृद्ध रहेगा और भारत एकजुट, शांतिपूर्ण और समृद्ध रहेगा।'

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे का मंसूबा देशवासियों को विभाजित करने और एक भाई को दूसरे भाई से लड़ाने का था, ऐसे में जरूरी है कि आतंकवाद को पराजित करने के लिए सभी एकजुट हों। कांग्रेस नेता ने हमले में घायल हुए कुछ लोगों का हाल जाना और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात कर आतंकी हमले के बारे में चर्चा की। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा, ''यह एक भयावह त्रासदी है। मैं यहां के हालात जानने और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस हमले की निंदा की है और वे राष्ट्र के साथ हैं।''

उनका कहना था, ''मैं घायल हुए लोगों में से एक से मिला हूं, अन्य से इसलिए नहीं मिल पाया क्योंकि वे यहां से जा चुके हैं। मेरा प्यार और स्नेह उन सभी लोगों के साथ है, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है। मैं सभी को बताना चाहता हूं कि पूरा राष्ट्र उनके साथ खड़ा है।'' राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में हुई सर्वदलीय बैठक का हवाला देते हुए कहा, ''कल हमने सरकार के साथ बैठक की और पूरे विपक्ष ने इस हमले की निंदा की। इसके साथ ही हमने सरकार द्वारा की जाने वाली किसी भी कार्रवाई को पूरा समर्थन दिया है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''जो कुछ हुआ है उसके पीछे समाज को विभाजित करने का मंसूबा है, भाई को भाई से लड़ाने की साजिश है। ऐसे में यह जरूरी है कि हर भारतीय एकजुट होकर आतंकवादियों की नापाक कोशिश को विफल करें।''

वक्फ संशोधन कानून पर केंद्र का हलफनामा... वक्फ मुसलमानों की कोई धार्मिक संस्था नहीं

संसद द्वारा पारित कानून संवैधानिक रूप से वैध

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून पर मोदी सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर दिया। केंद्र ने कहा, वक्फ मुसलमानों की कोई धार्मिक संस्था नहीं बल्कि वैधानिक निकाय है।

केंद्र ने वक्फ (संशोधन) की वैधता के खिलाफ दायर सभी याचिकाएं खारिज करने की मांग की। केंद्र ने कहा, अदालतें वैधानिक प्रावधान पर रोक नहीं लगा सकतीं, संवैधानिक वैधता की समीक्षा कर निर्णय दे सकती हैं। संसद में बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है। विधायिका द्वारा लागू की गई विधायी व्यवस्था को बदलना स्वीकार नहीं है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने 17 अप्रैल को 7 दिन के भीतर केंद्र से वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया था। इस मामले में अगली सुनवाई 5 मई को होगी।

केंद्र ने अपने हलफनामें में बताया कि अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि संशोधन से धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों को छीना जाएगा। आप इस बिंदु पर विचार कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट किसी कानून की विधायी क्षमता और मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर समीक्षा कर सकता है।

इस संशोधन कानून से किसी भी व्यक्ति के वक्फ बनाने के धार्मिक अधिकार में कोई हस्तक्षेप नहीं होता। केवल प्रबंधन और पारदर्शिता बेहतर करने के लिए कानून में बदलाव हुआ है।

संसद द्वारा पारित कानून को संवैधानिक रूप से वैध माना जाता है, विशेष रूप से संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की सिफारिशों और संसद में व्यापक बहस के बाद बने हुए कानून को। संसद ने अपने अधिकार क्षेत्र में काम करते हुए यह सुनिश्चित किया कि वक्फ जैसे धार्मिक बंदोबस्त का प्रबंधन किया जाए और उसमें जताया गया भरोसा कायम रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये देशभर के 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे

नई दिल्ली (। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये देशभर के 51,000 से अधिक नव-नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। यह कार्यक्रम 'रोजगार मेला' के 15वें संस्करण के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को सरकारी नौकरियों के अवसर प्रदान कर उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी को बढ़ावा देना है। यह रोजगार मेला देश के 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभर से चुने गए युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में नौकरी के लिए चुना गया है। जिन मंत्रालयों और विभागों में ये नियुक्तियां की जा रही हैं, उनमें राजस्व विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रेल मंत्रालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय सहित कई अन्य शामिल हैं।

विश्व बैंक की मध्यस्थता से 1960 में हुई थी भारत-पाक के बीच सिंधु जल संधि

-भारत ने कहा- अब पाकिस्तान को पानी से जुड़ी कोई जानकारी साझा नहीं करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने एक अहम और रणनीतिक फैसला लेते हुए पाकिस्तान के साथ हुई सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया है। यह फैसला पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की आपात बैठक में लिया गया। सिंधु जल संधि भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई थी। इसमें छह नदियों का जल बंटवारा किया गया था। भारत को रावी, ब्यास और सतलुज (पूर्वी नदियां) वहीं पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब (पश्चिमी नदियां) थी। बता दें भारत को पश्चिमी नदियों का सीमित उपयोग जैसे सिंचाई, बिजली उत्पादन की अनुमति थी साथ ही दोनों देशों के बीच सिंधु आयोग बनाया गया था, जिससे संबंधित किसी भी परियोजना या समस्या पर बातचीत होती थी। भारत ने अब यह घोषणा की है कि पाकिस्तान के साथ पानी से जुड़ी कोई जानकारी साझा नहीं करेगा। सिंधु आयोग की बैठक में भाग नहीं लेगा। संविदानुसार समझौते के तहत तय मुआयना और तकनीकी संवाद भी फिलहाल नहीं किए जाएंगे। यह एक राजनयिक दबाव की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, ताकि पाकिस्तान को आतंकवाद पर उसकी जिम्मेदारी का एहसास कराया जा सके। पाकिस्तान ने भारत के इस फैसले पर ऐतराज जताया है। पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन है। पीएम शहबाज़ शरीफ़ ने इस पर नेशनल सिक्योरिटी कमेटी की बैठक बुलाई है। विदेश मंत्री इशाक डार ने भारत पर संधि को राजनीति से जोड़ने का आरोप लगाया है।

बता दें 1947 में भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद पंजाब की नहरों और सिंधु नदी पर नियंत्रण को लेकर विवाद शुरू हुआ। भारत ने 1 अप्रैल 1948 को पाकिस्तान को दो नहरों का पानी देना बंद कर दिया था। इसके बाद कई सालों तक बातचीत चली और फिर 1960 में यह ऐतिहासिक संधि हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मनुष्य के मौलिक सृजन को संरक्षित करना बड़ी चुनौती

(लेखक – ललित गर्ग/ईएमएस)

विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस– 26 अप्रैल 2025)

यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आईपी अधिकार संगीतकारों और अन्य संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करते हैं। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस डब्ल्यूआईपीओ का सबसे बड़ा बौद्धिक संपदा (आईपी) सार्वजनिक जनजागृति अभियान है। कॉपीराइट और अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार संगीत उद्योग की प्रभावी मदद करते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि संगीत रचनाकारों को उनके काम का श्रेय और भुगतान मिले। यह दिन यह भी दिखाएगा कि इन अधिकारों की मदद से संगीत को बेहतर बनाने में रचनात्मकता और नए विचार कितने महत्वपूर्ण हैं।

रचनात्मकता, सृजनात्मकता और संरचनात्मकता मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है, मानव की इन मौलिक विशेषताओं एवं उपलब्धियों को उचित सम्मान मिले, उचित प्रोत्साहन एवं पारिश्रमिक मिले, ऐसे नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए ही हर साल 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा (आईपी) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और नवाचार तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में आईपी की भूमिका को उजागर करना है। कृत्रिम बौद्धिकता के दौर में मानव की स्वत: स्फूर्त बौद्धिकता का संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन ज्यादा जरूरी है। 2025 की थीम 'आईपी और संगीत: आईपी की धड़कन महसूस करें' है। यह संगीत उद्योग में बौद्धिक संपदा (आईपी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है, इस थीम का उद्देश्य आईपी के माध्यम से संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करना और उन्हें उनके काम के लिए उचित मान्यता दिलाना है। 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना करने वाला कन्वेंशन लागू हुआ था। यह दिन बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि के महत्व को उजागर करता है, जो नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

बौद्धिक संपदा दिमाग की रचनाओं से संबंधित है, जैसे आविष्कार, साहित्यिक सृजन, संगीत, कला और कलात्मक कार्य, डिजाइन और व्यापार में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक, नाम और चित्र आदि। ऐसे रचनात्मक काम जो पहले नहीं किया गया हो, ये हमारी बौद्धिक संपदा है। इस रचनात्मक सम्पदा का कोई दूसरा अनाधिकृत उपयोग नहीं सके, इसके लिए हमें अपनी बौद्धिक संपदा को सुरक्षित एवं संरक्षित करवाना चाहिए। इसी उद्देश्य से यह दिवस बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है, दुनियाभर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव को विस्तार देता है, देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने का आग्रह करता है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनी जागरूकता बढ़ाता है। इसके साथ ही इसका बड़ा उद्देश्य है विभिन्न देशों में आविष्कार-नवाचार गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान को मजबूत करना है। भारत भी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन का सदस्य है। इस संगठन की स्थापना 14 जुलाई 1967 को हुई थी, जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उद्भव एवं प्रचलन का बौद्धिक संपदा (आईपी) ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। हमें एआई जैसे नवाचार प्रोत्साहनों के उभरते परिदृश्य और मौजूदा आईपी ढांचे के लिए इसके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर मंथन करना होगा। पेटेंट योग्यता दुविधाओं से लेकर कॉपीराइट पहेली तक, हम पाते हैं कि तेजी से तकनीकी प्रगति के बीच नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा करने के बीच एक नाजुक संतुलन है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के साथ हमारे संपर्क के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। जैसे-जैसे एआई अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, इसका बौद्धिक संपदा के संरक्षण पर चुनौतीपूर्ण गहरा प्रभाव पड़ रहा है। चैटजीपीटी जैसे एआई चैट बॉट अविश्वसनीय रूप से परिष्कृत मानव-जैसे लिखित उत्तर दे सकते हैं, क्योंकि भाषा मॉडल की प्रश्नों और कार्यों को समझने और उन टेक्स्ट और डेटा के आधार पर प्रतिक्रियाएं देने की क्षमता है, जिन पर इसे प्रशिक्षित किया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अन्य क्षेत्रों में भी भी जैसे कला, लेखन, युद्ध, व्यापार, प्रबंधन, संगीत, फिल्म-निर्माण आदि में भी दखल बढ़ रहा है। एआई सार्वजनिक क्षेत्र में पहले से कहीं ज्यादा है और व्यवसाय में इसकी भूमिका दिनोंदिन बढ़ रही है। इसी के साथ बौद्धिक सम्पदा के सम्मुख सोशल मीडिया भी एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में हर कोई दूसरों की रचनात्मकता एवं मौलिक सृजन को अपना बता कर पेश कर रहा है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी बौद्धिक संपदा के लिए जागरूक होना होगा। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ अलग और रचनात्मक एवं मौलिक काम करने की क्षमता होती है। हम अपनी बौद्धिक संपदा को पांच तरीके से संरक्षित कर सकते हैं। इसमें पहला है कॉपीराइट, दूसरा पेटेंट, तीसरा ट्रेडमार्क, चौथा है औद्योगिक डिजाइन और पांचवा है भौगोलिक संकेतक। अगर आप कुछ लिखते हैं, जो आपका मौलिक लेखन है तो आप कॉपीराइट करा सकते हैं। इसके बाद व्यापार के क्षेत्र में होता है ट्रेडमार्क, जो आपका सिंबल होता है, जो किसी संस्था, कंपनी की पहचान के लिए होता है, उसे अगर ट्रेडमार्क करवा सकते हैं तो कोई दूसरा उस सिंबल का उपयोग नहीं कर सकेगा। अगर आपने कोई आविष्कार किया है तो उसे पेटेंट करा कर सुरक्षित रख सकते हैं। इसके बाद आता है औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक संकेतक। इस वर्ष की थीम संगीत पर केन्द्रित है। संगीत ने हमेशा लोगों को जोड़ने, बदलाव को प्रेरित करने और सांस्कृतिक विकास को आगे बढ़ाने में एक अनूठी भूमिका निभाई है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आईपी अधिकार संगीतकारों और अन्य संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करते हैं। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस डब्ल्यूआईपीओ का सबसे बड़ा बौद्धिक संपदा (आईपी) सार्वजनिक जनजागृति अभियान है। कॉपीराइट और अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार संगीत उद्योग की प्रभावी मदद करते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि संगीत रचनाकारों को उनके काम का श्रेय और भुगतान मिले। यह दिन यह भी दिखाएगा कि इन अधिकारों की मदद से संगीत को बेहतर बनाने में रचनात्मकता और नए विचार कितने महत्वपूर्ण हैं।

आधुनिक समय में संगीत बौद्धिक एवं आर्थिक सम्पदा का बड़ा माध्यम है। आज की आपाधापी, तनाव एवं अवसादपूर्ण जीवन में संगीत ही एक ऐसा माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत सुनने

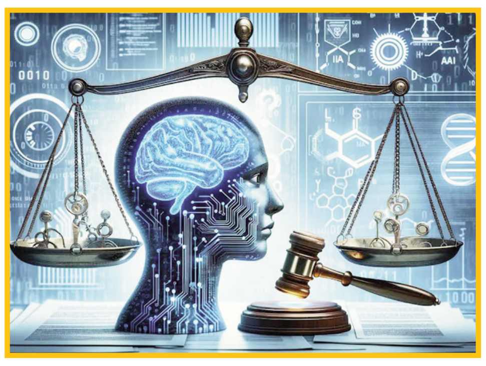

से इंसान को अलौकिकता का अहसास होता है। डॉक्टर भी संगीत को सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। इसीलिये संगीत एक बड़ी बौद्धिक सम्पदा है।

शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। नये विश्व के निर्माण में बौद्धिक सम्पदा की प्रभावी भूमिका है। तकनीकी विकास एवं आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में बौद्धिक सम्पदाओं को संरक्षित करते हुए बौद्धिक सम्पदाओं के रचनाकारों एवं मौलिक सृजनकर्ता के अधिकारों की रक्षा करना ही इस दिवस का ध्येय है और इसी में इस दिवस की सार्थकता है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

कश्मीरियत हेतु चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि सीमा पार पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की शह पर कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियों पर दोहरी मार है। इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नजर आ रहा है। जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है। शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे। घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं। दरअसल, लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋण लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे। अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फिक्र है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे। उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां जल्दी से सामान्य हों। वहीं इस संकट का दूसरा पहलू अन्य राज्यों में रह रहे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर है। निस्संदेह, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को दुःखी किया है। जैसे-जैसे आतंकियों के निर्मम हमले से जुड़ी कहानियां निकल रही हैं, समाज में तल्ख प्रतिक्रिया नजर आ रही है। कश्मीरी लोग आशंकित हैं कहीं इस आक्रोश से उपजे रोष का शिकार कश्मीर मूल के लोगों को न होना पड़े। निश्चित रूप से किसी भी सभ्य समाज में ऐसी कोई प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए कि आतंकवादियों के कुकृत्यों का खमियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़े। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन जैसे प्रमुख राजनेताओं ने कश्मीरियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों से उम्मीद की जा रही है कि वे विभाजनकारी तत्वों पर नकेल डालेंगे। निस्संदेह, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि पहलगाम की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पहली बार घाटी में आतंकवाद के खिलाफ मुखर प्रतिक्रिया सामने आई है। कश्मीर में सक्रिय रहने वाले राजनीतिक दलों, व्यापार निकायों और सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ ही आम लोगों ने भी पहलगाम हमले के दौरान हुई पर्यटकों की हत्या की निंदा की है। उन्होंने सीमा पार से आतंकवाद की पाठशाला चलाने वाले लोगों को सख्त संदेश दिया कि हमारे मामलों में तुम्हें फिक्र करने की जरूरत नहीं है। कश्मीर के लोगों ने साफ संदेश भेजा है कि –'हमारे नाम पर नहीं।' कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें उन आतंकवादियों से किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं है, जो मानवता के खिलाफ अपने अपराधों से कश्मीर के साथ-साथ इस्लाम को भी बदनाम कर रहे हैं। निस्संदेह, पहलगाम के क्रूर हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा चरम पर है। ऐसे में राजनीतिक दलों और धार्मिक संगठनों को इस आक्रोश को बढ़ाने के बजाय इसे शांत करने का प्रयास करना चाहिए। देश के संघीय स्वरूप व सद्भावना की हर कीमत पर रक्षा की ही जानी चाहिए। पहलगाम की घटना के बाद तल्खी दिखा रहे लोगों को याद रखना चाहिए कि यह कश्मीरी टट्टूवाला सैयद आदिल हुसैन शाह ही था, जिसने बंदूकधारी आतंकवादियों से पर्यटकों को बचाने की कोशिश करते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। एक बहादुर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह हमलावर आतंकी से हथियार छीनने की कोशिश कर रहा था। कश्मीरियों के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने के लिये उनके निःस्वार्थ साहस और वीरता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए। बल्कि उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए।

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

(लेखक –ललित गर्ग)

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीज़ा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है?

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे।

पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजैंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया। पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए।

(चिंतन- मनन)

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ऐसे ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

विचार मंथन

जनता का आक्रोश मुखर, सरकार के लिए खतरे की घंटी

(लेखक – सनत जैन)

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 26 से ज्यादा पर्यटकों की हत्या कर दी। कई गंभीर रुप से घायल पर्यटकों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जिन पर्यटकों का निधन हुआ था उनके शव देश भर के विभिन्न राज्यों में भेजे गए हैं। जहां पर उनका अंतिम संस्कार हो रहा है। घटना के दो से तीन दिन बाद तक मारे गए पर्यटकों का अंतिम संस्कार विभिन्न स्थानों पर हो रहे थे। इस बीच केंद्र सरकार, राज्य सरकार के मंत्री और भाजपा के नेता अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पहुंचे वहां पर जनता का आक्रोश खुलकर देखने को मिला। गुजरात के शैलेश कलथिया की अंत्येष्टि में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री एस आर पाटिल पहुंचे थे। वहां पर उन्हें मृतक की पत्नी के गुस्से का सामना करना पड़ा। जिस तरह का आक्रोश उसने दिखाया है, उसको देखते हुए केंद्रीय मंत्री अवाक होकर रह गए। स्थानीय लोगों का गुस्सा इस बात पर भी भड़क गया, कि फोटो खिंचवाने के लिए केंद्रीय मंत्री पहुंच रहे थे, जिसके कारण 15 मिनट तक अर्थी को सड़क पर रखना पड़ा। राजस्थान और हरियाणा में भी जब मुख्यमंत्री मृतकों को श्रद्धांजलि देने अंत्येष्टि में पहुंचे तो वहां पर भी उन्हें काफी आक्रोश का सामना करना पड़ा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी जी को लोगों के क्रोध का सामना करना पड़ा है। पहलगाम की घटना में विभिन्न राज्यों के पर्यटकों की मौत हुई है। लगभग सभी स्थानों में जनता की ओर से गुस्से में कहा जा रहा कि यह सरकार का फेलियर है। लाखों जवान जम्मू कश्मीर में तैनात है, उसके बाद भी पर्यटक सुरक्षित नहीं हैं। जिस स्थान पर घटना हुई है वहां एक भी सुरक्षा कर्मी और पुलिसकर्मी उपस्थित नहीं थे। गुजरात की शीतल बैन ने यहां तक कह दिया- जनता के टैक्स के पैसे से नेता हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर पर चलते हैं। उनकी सिक्योरिटी में गाड़ियों के काफिले चलते हैं। टैक्स देने वालों की क्या कोई जिंदगी नहीं है। पिछले कई वर्षों से हिंदू-मुसलमान को लेकर भारत में जो शंखनाद हो रहा है। वह चरम पर पहुंचकर अब उसकी गूंज धीरे-धीरे धीमी पड़ती जा रही है। इस बात को भाजपा और संघ को समझना होगा। जहां डबल इंजन की सरकार है उन्हें भी समझना होगा युद्ध के ढोल नगाड़े और शंखनाद कुछ समय के लिए ही प्रभावी साबित होते हैं। यह लोगों में आक्रोश पैदा करते हैं लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता जाता है, उसके बाद इनका कोई महत्व नहीं रह जाता है। अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद तथा पहलगाम की जो घटना अभी हाल ही में हुई है, उससे भारतीय जनता पार्टी और डबल इंजन की सरकारों को सबक लेने की जरूरत है। हिंदू-मुसलमान के नाम पर गोदी मीडिया ने एक नेरेटिव चलाने का प्रयास किया था लेकिन देशभर में उसका कोई असर देखने को नहीं मिला। जम्मू-कश्मीर में पहुंच बंद रखा गया। वहां के लोग आतंकवादी घटना के खिलाफ सड़कों पर आ गए। यही स्थिति देश के विभिन्न राज्यों में देखने को मिली। सभी राजनीतिक दलों ने भी इस घटना की निंदा करते हुए घटना को सांप्रदायिक रंग में रंगने नहीं दिया है। देश की जनता ने भी अपनी-अपनी जगह पर घटना का विरोध करते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया है। गोदी मीडिया के खिलाफ भी अब लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। लोगों की यह धारणा बनने लगी है कि गोदी मीडिया तथ्यों को छुपाता है। हिंदू-मुसलमान के बीच अलगाव पैदा करने के लिए संयोजित रूप से नेरेटिव बनाता है। पहलगाम में हुई घटना की जिस तरह से नेशनल मीडिया ने कवरेज की है। उस पर भी जनता ने अपना आक्रोश खुलकर व्यक्त किया है। कुछ महीनों बाद बिहार के चुनाव हैं। जब भी कहीं चुनाव होते हैं उसके पहले इस तरीके की घटनाएं पिछले कई बार देखने को मिली हैं, उसके कारण अब जनता इन पर भरोसा और विश्वास नहीं कर पा रही है। जनता को भी लगने लगा है कि इस तरह की घटनाएं चुनावी रणनीति के तहत जानबूझकर कराई जाती हैं। पहलगाम में हुई घटना के बाद जिस तरह से मुसलमानों ने बढ़-चढ़कर इस घटना का विरोध किया उसने आसमाजिक और सांप्रदायिक तत्वों को स्तब्ध कर दिया है। जो सवाल विभिन्न राजनीतिक दल के नेता सरकार से करते थे अब उसी तरह के सवाल-जवाब जनता की ओर से होने लगे हैं। जनता का आक्रोश भी अब समय-समय पर देखने को मिलने लगा है। वर्तमान परिस्थितियों में सरकार को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी जिस तरह से देश में बेरोजगारी महंगाई और अन्य समस्याएं हैं। लोगों का दैनिक जीवन मुश्किल भरा हो गया है।

नेस्ले इंडिया लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ 6 प्रतिशत घटा

मुंबई। मैगी, नेस्कैफे जैसे उत्पाद बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 6.5 प्रतिशत घटकर 873.46 करोड़ रुपए रहा। नेस्ले इंडिया ने बताया कि एक साल पहले 2023-24 की चौथी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 934.17 करोड़ रुपए था। नेस्ले इंडिया का उत्पादों की बिक्री से आय मार्च तिमाही में 3.67 प्रतिशत बढ़कर 5,447.64 करोड़ रुपए रही। पिछले वित्त वर्ष की सामना तिमाही में यह 5,254.43 करोड़ रुपए थी। कंपनी का मार्च तिमाही में कुल खर्च 4,307.76 करोड़ रुपए रहा। नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री 2024-25 की मार्च तिमाही में 4.24 प्रतिशत बढ़कर 5,234.98 करोड़ रुपए रही, जबकि इससे पूर्व वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 5,021.61 करोड़ रुपए थी।

फिच रेटिंग्स ने अदाणी पोर्ट्स के एनक्यूएक्सटी के अधिग्रहण को सकारात्मक कदम माना

नई दिल्ली।

फिच रेटिंग्स ने अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) के ऑस्ट्रेलिया में नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल के अधिग्रहण को क्रेडिट न्यूट्रल बताया है। अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने इसके सकारात्मक रणनीतिक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी का मानना है कि यह अधिग्रहण एपीएसईजेड के अंतरराष्ट्रीय विविधीकरण के प्रयासों को बल देगा, जो कंपनी के लिए एक प्रमुख दीर्घकालिक लक्ष्य है। इस अधिग्रहण की जानकारी 17 अप्रैल, 2025 को दी गई थी। अधिग्रहण के तहत एपीएसईजेड, नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल (एनक्यूएक्सटी) के मौजूदा शेयरधारकों को नए इक्विटी शेयर जारी करेगा, जो एपीएसईजेड के समान ही प्रमोटर समूह से जुड़ा है। यह सौदा विनियामक और शेयरधारक अप्रूवल के अधीन है। फिच का उम्मीद है कि अधिग्रहण से एपीएसईजेड की वित्तीय स्थिरता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और इसका ग्रॉस लेवरेज वित्त वर्ष 2026 से वित्त वर्ष 2029 में लगभग 3 गुना रहने का अनुमान है। इस लेन-देन से कंपनी के वैश्विक ईबीआईटीडीए योगदान में 4 प्रतिशत से 10 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है, जो इसकी वैश्विक विस्तार रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, अधिग्रहण से एपीएसईजेड के कार्गो मिक्स में कोयले की हिस्सेदारी बढ़ जाएगी, हालांकि, कंटेनर में पैक और अन्य गैर-कोयला सेगमेंट में मजबूत वृद्धि के कारण समय के साथ इसमें कमी आने की उम्मीद है। परिचालन को लेकर एनक्यूएक्सटी पर प्रभाव न्यूनतम होने की उम्मीद है, क्योंकि एपीएसईजेड पहले से ही टर्मिनल का संचालन करता है। 35 मिलियन टन के वार्षिक कोयला प्रवाह और 70 प्रतिशत की वर्तमान उपयोग दर वाले इस टर्मिनल को मध्यम अवधि में सीमित पूंजीगत व्यय की आवश्यकता है। इसके अलावा, लंबी अवधि के टेक-या-पे अनुबंध और 85 वर्षों की शेष लीज अवधि एपीएसईजेड के लिए मजबूत नकदी प्रवाह दृश्यता प्रदान करती है। अधिग्रहण से कुछ रिफाइनेंसिंग जोखिम भी होता है, क्योंकि एनक्यूएक्सटी के पास 2030 तक कोई डेट मैच्योरिटी नहीं है। इसके मौजूदा डेट स्ट्रक्चर में अतिरिक्त उधार पर प्रतिबंध और नियंत्रित नकदी वहिर्वाह जैसी विशेषताएं शामिल हैं, जो वित्तीय अनुशासन को सुनिश्चित करने में मददगार बनती हैं। फिच के दृष्टिकोण का महत्व इस बात में निहित है कि एजेंसी का निवेशकों की भावनाओं पर वैश्विक प्रभाव खासकर उभरते बाजारों में पड़ता है। एक प्रमुख क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के रूप में, फिच के आकलन पर वैश्विक निवेशकों, वित्तीय संस्थानों और नीति निर्माताओं की बारीकी से नजर रहती है। फिच का क्रेडिट-न्यूट्रल लेकिन रणनीतिक रूप से सहायक दृष्टिकोण संकेत देता है कि अधिग्रहण एक सुनियोजित कदम है, जो एपीएसईजेड की वित्तीय सेहत को जोखिम में डाले बिना, इसके दीर्घकालिक व्यावसायिक प्रोफाइल को मजबूत करता है। हालांकि, अधिग्रहण से एपीएसईजेड की क्रेडिट रेटिंग पर तुरंत असर नहीं पड़ सकता है, लेकिन फिच का विश्लेषण इस कदम के पीछे रणनीतिक तर्क की पुष्टि करता है, जिससे कंपनी की वैश्विक विकास महत्वाकांक्षाओं में निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है। नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल (एनक्यूएक्सटी) ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के बोवेन से लगभग 25 किलोमीटर उत्तर में एबॉट पॉइंट के बंदरगाह में स्थित है। यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे उत्तरी गहरे पानी का कोयला निर्यात टर्मिनल है।

बैंकों में जमा पड़े 78,000 करोड़ रुपये,अब मोदी सरकार ने की खास तैयारी

नई दिल्ली।

केंद्र की मोदी सरकार निष्क्रिय बैंक खातों में वर्षों से जमा रकम को उनके ग्राहकों तक लौटाने की योजना बना रही है। इसके लिए केंद्र ने सभी सरकारी बैंकों से वित्त वर्ष 2025-26 में 78,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिना दावे वाली राशि का करीब 30-40 प्रतिशत निपटान करने को कहा है। मामले से जुड़े दो अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार की मंशा है कि बैंकों को जमीनी स्तर पर लक्ष्य निर्धारित कर एक सुसंगत प्रक्रिया के तहत यह काम सौंपा जाए। इस योजना के तहत बैंकों को उन इलाकों की पहचान करनी होगी जहां, सबसे अधिक निष्क्रिय खाते मौजूद हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले साल इस लेकर नए निर्देश जारी किए थे। इनके अनुसार, सभी बैंकों को अपनी वेबसाइट पर निष्क्रिय बैंक खातों और उसमें जमा रकम की जानकारी देनी होगी। साथ ही एक सार्वजनिक खोज विकल्प (सर्च बटन) भी उपलब्ध कराना होगा, जिससे खाताधारक यह जान सकें कि उनके नाम पर कोई राशि शेष है या नहीं। इस कड़ी में केंद्र ने अब चालू वित्त वर्ष के लिए बैंकों के सुधार एजेंडा में बिना दावे वाली राशि के जल्द निपटान को शामिल किया है।बैंकिंग विशेषज्ञ का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में बैंकों द्वारा केवाईसी (नो योर कस्टमर) और ग्राहक सत्यापन प्रक्रियाओं में व्यापक सुधार हुए हैं। इससे अब निष्क्रिय खातों के असली मालिकों तक पहुंचना आसान होगा और यह अभियान पहले की तुलना में अधिक सफल हो सकता है। कानूनी विशेषज्ञ के मुताबिक, यह योजना बैंकों की रिकॉर्ड-रखने की लागत को कम करने में भी सहायक होगी, क्योंकि बढ़ती संख्या में निष्क्रिय खातों को बंद किया जा सकेगा। हालांकि, मोदी सरकार की यह पहल फिलहाल सार्वजनिक बैंकों पर केंद्रित है लेकिन भारतीय बैंक संघ इस पहल को निजी बैंकों तक भी पहुंचाने की तैयारी कर रहा है। वर्तमान नियमों के अनुसार, यदि कोई खाता 10 साल या उससे अधिक समय तक निष्क्रिय रहता है, तब उसकी राशि आरबीआई के डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड (डीईएएफ) में भेज दिया जाता है। यह फंड अब 78,000 करोड़ के पार पहुंच चुका है।

लगातार 7 दिन की तेजी के बाद गिरा शेयर बाजार

सेंसेक्स 315 अंक गिरकर 79,801 पर बंद, निफ्टी 82 अंक की गिरा; रियल्टी शेयर सबसे ज्यादा टूटे

मुंबई। लगातार 7 दिन तेजी के बाद गुरुवार को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 315 अंक गिरकर 79,801 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 82 अंक की गिरावट रही, ये 24,247 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट रही। इसके अलावा, जोमैटो, एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 1 प्रतिशत गिरकर बंद हुए। वहीं, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा के शेयर में 3.3 प्रतिशत की गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 में गिरावट रही। एनएसई के निफ्टी रियल्टी और एफएमसीजी इंडेक्स में सबसे ज्यादा 1.41 प्रतिशत तक की गिरावट रही। इसके अलावा, ऑटो, आईटी और बैंकिंग में भी मामूली गिरावट रही।

ईडी का एक्शन, कंपनी का शेयर करीब 92 प्रतिशत टूटा, निवेशक हुए कंगाल

मुंबई।

जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को भारी गिरावट देखने को मिली है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के को-प्रमोटर पुनीत सिंह जग्गी को फेमा के तहत ईडी ने कस्टडी में लिया है। उन्हें दिल्ली के होटल से गिरफ्तार किया गया है। अनमोल जग्गी अभी दुबई में हैं। बता दें, कंपनी के प्रमोटर्स पर आरोप है कि उन्होंने फंड्स को हेराफेरी की है। लगातार कंगाल कर रहे शेयर से पैसा निकालने की होड़ सी निवेशकों में मची है। कंपनी के शेयरों में शुक्रवार फिर से 5 प्रतिशत का लोअर सर्किट लगा है। जिसके बाद जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयरों का भाव 91.05 रुपये के स्तर पर आ गया। यह शेयर का 52 सप्ताह का लो लेवल है। बात दें कि कंपनी के शेयर करीब 92 प्रतिशत टूट चुका है। एक वक्त पर कंपनी के शेयर 1125.75 रुपये के लेवल पर खुला था। शुक्रवार को कंपनी के शेयर 91.05 रुपये के लेवल पर आ गया था। तब से अबतक कंपनी के शेयर करीब 92 प्रतिशत टूट चुका है। बता दें, 10 महीने में कंपनी ने निवेशकों को कंगाल कर दिया है। पिछले सप्ताह कंपनी के प्रमोटर बंधुओं में शामिल अनमोल और पुनीत सिंह जग्गी को विभिन्न मामलों के उल्लंघन के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित किया गया था। इसके साथ ही कंपनी के शेयरों को 10 हिस्सों में बांटने की योजना को भी रोक दिया है। कंपनी वर्तमान में बड़े संकट के दौर से गुजर रही है। जिसकी वजह से निवेशकों के विश्वास हिला हुआ है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 589 , निफ्टी 207 अंक गिरा

निवेशकों को 11 लाख करोड़ का नुकसान

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनावों के कारण भी निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 588.90 करीब 0.74 फीसदी नीचे आकर 79,212.53 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अंत में 207.35 अंक तकरीबन 0.86 फीसदी नीचे आकर 24,039.35 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार इस गिरावट का कारण एक्सिस बैंक, अडानी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, इटरनल (जोमैटो), टाटा मोटर्स, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और एलएंडटी जैसे दिग्गज शेयरों में मुनाफावसूली हावी रहना है। भारत पाक के बीच तनाव बढ़ने से भी निवेशकों में घबराहट का माहौल है। इससे विदेशी निवेशक सतर्क रुख अपनाये हुए हैं। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने की आशंका से निवेशकों को 11 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटकर 419,65,902 करोड़ रुपये पर आ गया। जबकि गुरुवार को बाजार बंद होने के बाद यह 43,042,123 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनियों को 10,50,393 करोड़ रुपये की चपत लगी है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की बढ़त पर खुला पर इसके कुछ समय बाद ही इसके गिरावट आने लगी। आज सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स भी 700 से ज्यादा नीचे आया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई खुलने के बाद 1 फीसदी गिरा। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। सेंसेक्स आज हल्की बढ़त के साथ ही 79,830.15 पर खुला। खुलने के कुछ देर तक यह हरे निशान में रहा और फिर लाल निशान में आ गया। सेंसेक्स सुबह 666.84 अंक या 0.84 फीसदी की गिरावट लेकर 79,134.59 पर था जबकि निफ्टी-50 भी हल्की बढ़त में खुला। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा जाये तो एशियाई शेयर बाजारों में बढ़त देखी गई। वॉल स्ट्रीट पर तेजी से एशियाई बाजारों में बढ़त रही। ब्याज दरों में अपेक्षाकृत जल्द कटौती की उम्मीदें बढ़ने से अमेरिकी बाजारों में तेजी आई। इस बीच, दक्षिण कोरिया के शेयरों में तेजी आई है। माना जा रहा है कि अमेरिका अगले सप्ताह तक व्यापार समझौता कर सकता है। जापान का निक्केई 1.23 फीसदी ऊपर था, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.63 फीसदी नीचे था। एसएंडपी 500 इंडेक्स में 2.03 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में क्रमशः 2.74 फीसदी और 1.23 फीसदी की वृद्धि हुई। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 315 अंक या 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 79,801 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 50 82.25 अंक या 0.34 फीसदी की गिरावट के साथ 24,246.7 पर बंद हुआ।

विनफास्ट तमिलनाडु के थूथुकुडी में जून तक अपना विनिर्माण प्लांट शुरू करेगी

ईवी का उत्पादन 2026 में शुरू होने की संभावना

चेन्नई।

वियतनामी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता विनफास्ट भारतीय बाजार में उतरने को तैयार है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह तमिलनाडु के थूथुकुडी में जून के अंत तक अपना विनिर्माण प्लांट शुरू करेगी। इसकी जानकारी कंपनी के सीईओ फाम सन्ह चाउ ने दी। विनफास्ट की मूल कंपनी विनग्रुप के प्रमुख फाम न्हात वुओंग ने बताया कि अब कंपनी वियतनाम के बाहर इंडोनेशिया, भारत और फिलीपींस जैसे बाजारों पर फोकस करेगी। तमिलनाडु सरकार के साथ हुए करार के तहत विनफास्ट राज्य में 2 अरब डॉलर तक का निवेश करेगी। प्रोजेक्ट के पहले चरण में 500 मिलियन डॉलर खर्च होने हैं, और प्लांट की सालाना उत्पादन क्षमता 1.5 लाख वाहनों की होगी। इस यूनिट से ईवी का उत्पादन 2026 में शुरू होने की संभावना है। इसके अलावा कंपनी देशभर में चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क तैयार करेगी। वी-ग्रीन नाम की समूह कंपनी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सह-निवेशकों की तलाश में है। थूथुकुडी को चुनने की वजह बताकर चाउ ने कहा कि यह पोर्ट और एयरपोर्ट के करीब है, जिससे निर्यात में सुविधा मिलेगी। कंपनी भारत को घरेलू बाजार के साथ-साथ पश्चिम एशिया और अफ्रीका के लिए भी एक अहम केंद्र के रूप में देख रही है। इस प्रोजेक्ट से स्थानीय स्तर पर 3,000 से ज्यादा रोजगार के मौके बनने की उम्मीद है। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में विनफास्ट ने वीएफ 6 और वीएफ 7 नाम की दो प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी की झलक दिखाई थी, जिन्हें इस साल के अंत तक लांच किया जाएगा।

डिफेंस कंपनी शेयरों के बंटवारे को लेकर बैठक में करेगी फैसला

मुंबई।

डिफेंस कंपनी पारस डिफेंस टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने बताया कि 30 अप्रैल को कंपनी की बोर्ड मीटिंग है। कंपनी इसी बैठक में तय करेगी कि शेयरों का बंटवारा होना चाहिए या नहीं। इसके अलावा पारस डिफेंस टेक्नोलॉजी का बोर्ड इसी दिन मार्च तिमाही के वित्तीय नतीजों का ऐलान करेगी। बता दें, बोर्ड की मीटिंग में डिविडेंड देने पर भी विचार हो सकता है। शुक्रवार को डिफेंस कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को करीब 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 1021.95 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर पहुंच गया था। इससे पहले दिन में कंपनी के शेयर 184.95 रुपये के लेवल पर खुले थे। पारस डिफेंस ने अभी तक एक बार भी निवेशकों को डिविडेंड और बोनस शेयर नहीं दिया। अगर कंपनी की तरफ से स्टॉक स्प्लिट और डिविडेंड का ऐलान किया जाता हैं तब पोजीशनल निवेशकों के लिए बड़ी खबर रहेगी। बीते 2 हफ्तों के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी दिखी है। 6 महीने में पारस डिफेंस टेक्नोलॉजी के पोजीशनल शेयरहोल्डर्स को 10 प्रतिशत का फायदा हुआ है। बता दें, एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 35 प्रतिशत की तेजी आई है।

फंड मैनेजर बेंचमार्क के सापेक्ष रिटर्न सृजित करने में ज्यादा कुशल

-इक्विटी फंड श्रेणियों में स्मॉलकैप फंड का प्रदर्शन सबसे खराब रहा

नई दिल्ली।

इक्विटी म्युचुअल फंड की एक योजना पांच साल की अवधि में अपने बेंचमार्क को मात देने में कामयाब रही। मीडिया रिपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक जो एक ऐसा प्रदर्शन मानक है जिसे फंडों ने देर से प्रकाशित करना शुरू किया है। इन्फॉर्मेशन रेश्यो यानी आईआर बताता है कि निवेश प्रबंधक ने कितना जोखिम उठाया और बेंचमार्क के सापेक्ष कितने प्रभावी तरीके से अतिरिक्त रिटर्न सृजित किया है। आईआर सामान्यतः 1.5 से -1.5 के दायरे में होता है। जितना ज्यादा आईआर होता है, उतना ही फंड मैनेजर का बेहतर प्रदर्शन होता है।आनंद राठी वेल्थ के संयुक्त सीईओ फिरोज अज़ीज ने कहा कि ज्यादा यानी ऊंचा आईआर संकेत देता है कि फंड मैनेजर बेंचमार्क के सापेक्ष रिटर्न सृजित करने में ज्यादा कुशल है।कम आईआर से पता चलता है कि बेंचमार्क के मुकाबले फंड का प्रदर्शन कमजोर रहा है। पिछले पांच साल में सेक्टोरल और थीमेटिक फंडों को छोड़कर 208 सक्रिय इक्विटी योजनाओं में से केवल 62 का आईआर सकारात्मक रहा है। इक्विटी फंड श्रेणियों में स्मॉलकैप फंड का प्रदर्शन सबसे खराब रहा है और 21 में से केवल तीन योजनाएं बेहतर प्रदर्शन कर पायीं। लार्जकैप और मिडकैप फंडों का भी रिकॉर्ड खराब रहा और 20 फीसदी से कम योजनाओं ने सकारात्मक आईआर दर्ज की है। हालांकि, तीन साल और एक साल के आंकड़े बेहतर हैं।

एक साल की अवधि में ज्यादातर योजनाओं ने लार्जकैप को छोड़कर सभी श्रेणियों में बेहतर प्रदर्शन किया है। तीन साल की अवधि में ज्यादातर लार्जकैप और मल्टीकैप योजनाओं ने बेंचमार्क से अधिक रिटर्न दिया है। निवेश सलाहकारों के मुताबिक उच्च आईआर फंड मैनेजर की शेयर चयन क्षमता और समय पर सेक्टर में बदलाव का नतीजा है। प्लान अहेड वेल्थ एडवाइजर्स के संस्थापक और सीईओ विशाल धवन ने कहा कि फंड मैनेजर का शेयर चयन और आवंटन कौशल संभवतः ऊंचा आईआर बताता है और इसे हायर अपसाइड कैप्चर और लोअर डाउन कैप्चर अनुपात से मदद मिलती है। आईआर की गणना पोर्टफोलियो रिटर्न और बेंचमार्क रिटर्न के अंतर को लेकर और फिर उसे अतिरिक्त रिटर्न के मानक विचलन से विभाजित करके की जाती है। निवेश विशेषज्ञों का कहना है, हालांकि आईआर एक प्रमुख प्रदर्शन मानक है, लेकिन निवेशकों को योजनाओं का चयन करते समय अन्य कारकों पर भी विचार करना चाहिए।

ओपो ने ड्यूरेबिलिटी के साथ हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ए5 प्रो लांच किया

मुंबई।

ओपो ने भारत में अपना नया बजट 5जी स्मार्टफोन ओपो ए5 प्रो लांच किया है। यह ए-सीरीज का एक मजबूत और फीचर से भरपूर फोन है, जिसे खास तौर पर इस्तेमाल के यूजर्स के लिए डिजाइन किया गया है जो ड्यूरेबिलिटी के साथ हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन चाहते हैं। फोन को दो वेरिएंट्स में लांच किया गया है 8जीबी रैम+ 128जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 17,999 रुपये और 8जीबी रैम+ 256 जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 19,999 रुपये रखी गई है। यह दो रंगों में मिलेगा। फोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी मजबूती है। ओपो ए5 प्रो में +360 आरमर बॉडी- दी गई है जो 14 मिलिट्री ग्रेड टेस्ट पास कर चुकी है। यह आईपी66, आईपी 68 और आईपी 69 रेटिंग्स के साथ आता है, जिससे यह फोन पानी, धूल और दुर्घटना स्पिल्स जैसे कॉफी या दूध से भी सुरक्षित रहता है। डिस्प्ले को गोरिल्ला गिलास 7आई की प्रोटेक्शन मिलती है जो फोन को स्क्रैच और ब्रेकेज से बचाती है। फोन में 6.67 इंच का एचडी+ एलसीडी डिस्प्ले है जो 120 एचजेड रिफ्रेश रेट और 1000 निट्स ब्राइटनेस के साथ आता है। इसमें 5800 एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है जो 45वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। फोन में 50 मैगापिक्सल का प्राइमरी और 2मैगापिक्सल मोनोक्रोम सेंसर, जबकि फ्रंट में 8 मैगापिक्सल सेल्फी कैमरा मिलता है। फोन में 5जी सपोर्ट, डुअल-बैंड वाईफाई, जैसे फीचर्स दिए गए हैं। सिक्योरिटी के लिए साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर मौजूद है। फोन में 6एनएम मीडिया टेक डाईमेंसिटी 6300 चिपसेट है, जो एंड्राइड 15 आधारित कलरओएस15 पर चलता है।

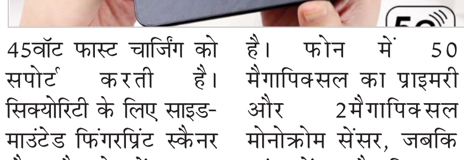

हुंडई की बिक्री में एसयूवीएस की जबरदस्त मांग

नई दिल्ली।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने मारुति के बाद दूसरी सबसे ज्यादा बिक्री करने वाली कंपनी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूती से कायम रखा है। चालू साल में हुंडई की बिक्री में एसयूवीएस की जबरदस्त मांग देखी गई और इसकी वजह से कंपनी के कुल घरेलू बिक्री में एसयूवी का योगदान 68.5प्रतिशत तक पहुंच गया, जो पिछले साल 63.2प्रतिशत था। यानी हर तीन में से दो हुंडई कारें एसयूवी सेगमेंट की रही हैं। इनमें एक्सटर, वेन्यू, क्रेटा, अल्काजार, टक्सन और आयनिक 5 जैसे लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं। खास बात यह रही कि क्रेटा एक बार फिर से कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार साबित हुई है। इसके अलावा, फाइनेंशियल ईयर 2025 में सनरूफ वाले मॉडलों की डिमांड में भी जबरदस्त इजाफा हुआ है। कंपनी के मुताबिक, इस साल बेची गई कुल कारों में से 53.2प्रतिशत कारें सनरूफ से लैस थीं, जो ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं और प्रीमियम फीचर्स की ओर रुझान को दर्शाता है। हुंडई ने अपने 14 में से 12 मॉडलों में सनरूफ की सुविधा दी है।

वहीं, सुरक्षा के मामले में भी ग्राहकों का झुकाव बढ़ा है। अडास यानी एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम वाली कारों की बिक्री दोगुनी होकर 14.3प्रतिशत पहुंच गई, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 6.7प्रतिशत था। कंपनी अब अपने 9 मॉडलों में अडास की पेशकश कर रही है। हुंडई ने पेट्रोल, डीजल, टर्बो पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक जैसे पावरट्रेन के साथ-साथ कई ट्रांसमिशन विकल्प भी दिए हैं।

आरबीआई की मासिक रिपोर्ट में दावा, आने वाले वित्तीय वर्ष में महंगाई दर नियंत्रण में रहेगी

नई दिल्ली।

आने वाले वित्तीय वर्ष में महंगाई दर नियंत्रण में रहेगी। कुछ चुनिंदा वस्तुओं को छोड़कर अधिकांश उत्पादों के दाम नियंत्रण में रहने वाले हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अपनी मासिक रिपोर्ट में बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में भारत की दआर्थिक विकास दर दूसरे देशों की तुलना में कहीं अधिक रहेगी। देश में महंगाई के नियंत्रण में रहने, मानसून के बेहतर रहने की संभावना और मांग में तेजी आने से आर्थिक विकास दर को अधिक गति मिलने की संभावना है। आरबीआई ने माना है कि चालू वित्तीय वर्ष में देश की औसत महंगाई दर 4.0 प्रतिशत के करीब रहेगी, जबकि आगामी वित्तीय वर्ष (2026-27) में 4.3 प्रतिशत के बीच रह सकती है। इसके बाद जीडीपी को लेकर भी केंद्रीय बैंक ने अनुमान लगाया है कि मौजूदा वित्तीय वर्ष में जीडीपी 6.5 और आने वाले वित्तीय वर्ष में 6.6 प्रतिशत रहेगी। घरेलू अर्थव्यवस्था में लगातार सुधार दिख रहा है। ऋण दरों में गिरावट के बाद मांग में तेजी आने की संभावना है। उधर, इस बार देशभर में मानसून अच्छा रहने की संभावना मौसम विज्ञान केंद्र के द्वारा की गई है, जिससे कृषि क्षेत्र में बेहतर विकास होने की संभावना है। महंगाई को लेकर आरबीआई का मानना है कि औसत रूप से महंगाई सामान्य रहेगी। कुछ खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। खास तौर पर पाम ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव हो सकता है क्योंकि, जुलाई 2024 से पाम ऑल की कीमतों में एक बार 40 फीसदी तक का उछाल आया है, जो वर्तमान में 20 प्रतिशत के स्तर पर बना हुआ है। बाकी कुछ सब्जियों की कीमतों में भी परिवर्तन दिखाई दे सकता है लेकिन उन सब के बीच देश में उच्च मांग के चलते अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिलेगी। आरबीआई द्वारा जारी आंकड़े से साफ होता है कि थाली में शामिल होने वाले सबसे अधिक खाद्य वस्तुओं में दालों और कुछ सब्जियों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।

देश भर में उनके औसत मूल्य में तेजी आई है। हालांकि, फुटकर मूल्य औसत मूल्य से कहीं अधिक है। जैसे वर्तमान में अरहर का औसत मूल्य 128.7 रुपये प्रति किलोग्राम माना गया है। जबकि फुटकर बाजार में अरहर दाल देश के कई हिस्सों में 170 रुपये किलोग्राम के बीच बिक रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2025 से बाहर होने वाली पहली टीम बनी

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्य टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र से बाहर होने वाली पहली टीम बनी है। रॉयल्स की टीम अपने 9 वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 11 रनों से हार के साथ ही मुकाबले से बाहर हो गयी। यह रॉयल्स की इस सत्र में लगातातर पांचवीं हार है। रॉयल्स ने अभी तक आईपीएल सत्र में 9 मैच खेले हैं। जिसमें 7 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है जबकि उसके केवल 2 मैचों में ही जीत मिली है। आरसीबी से मिली हार के बाद टीम अंक तालिका में 8वें स्थान पर फिसल गयी है। रॉयल्स को अब इस सीजन में अब बचे हुए पांच मुकाबले गुजरात टाइटंस, मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलने हैं। अगर वह ये सभी मुकाबले जीत भी जाती है तो अधिक से अधिक 4 अंकों तक ही पहुंच सकेगी। जिस तरह से शीर्ष चार से पांच टीमों के अंक हैं। ऐसे में साफ है कि 14 अंकों के साथ कोई टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर पाएगी। हालांकि अगर राजस्थान इतने अंकों तक पहुंचने में सफल रहती है तो भी उन्हें दूसरी टीमों के परिणामों पर आधारित रहना होगा। जब से लीग में 10 टीमों ने भाग लेना शुरू किया है तब से मात्र 1 ही बार ऐसा हुआ है जब 14 अंकों के साथ किसी टीम ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया हो।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और पंजाब किंग्स का मुकाबला

शाम 7.30 से होगा मैच

कोलकाता।

पंजाब किंग्स की टीम शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर जीत के इरादे से उतरेगी।

आईपीएल के इस सत्र में अब तक पंजाब का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर सहित खिलाड़ी अच्छे फार्म में हैं जिससे वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है।

वहीं दूसरी और अपने घरेलू मैदान पर खेल रही केकेआर का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। उसके गेंदबाज और बल्लेबाज लय में नहीं है , इसके अलावा घरेलू मैदान पर भी उसे अब तक चार में से एक ही मैच में जीत मिली है।

पंजाब की टीम ने अब तक पांच मैच जीते हैं और वह अंकतालिका में पांचवें स्थान पर पहुंचा दिया। वहीं सातवें स्थान पर चल रही केकेआर को प्लेऑफ में बने रहने के लिए छह में से पांच मैच हर हालत में जीतने होंगे। केकेआर के मध्यक्रम के बल्लेबाज आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह और रमनदीप लय में नहीं हैं जिससे टीम में बदलाव करना पड़ सकता है।

अब वह रोवमैन पॉवेल को उतार सकती है।

इस मैच में केकेआर के बल्लेबाजों के के लिए पंजाब के गेंदबाजों अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल का सामना करना आसान नहीं होगा। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे को अब हर मैच में बेहतर खेलना होगा। उन्हें चहल से सावधान रहना होगा। इस मैच में केकेआर की गेंदबाज हर्षित राणा का सामना पंजाब के बल्लेबाज किस प्रकार करते हैं ये देखना होगा। कुल मिलाकर देखा जाये तो मैच में केकेआर को जीत दर्ज करने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

पुरुष हॉकी एशिया कप के लिए अब पाक खिलाड़ियों को वीजा मिलना संभव नहीं

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद अब बिहार के राजगीर में होने वाले पुरुष हॉकी एशिया कप के लिए पाकिस्तान के खिलाड़ियों को वीजा मिलने की कोई संभावना नहीं है। भारत सरकार ने हमले के तत्काल बाद ही पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर उन्हें देश छोड़ने के आदेश दिये है। ऐसे में अब पाक खिलाड़ी 2026 एफआईएच विश्कप क्वालिफायर में भाग नहीं ले सेकेंगे। इस महीने की शुरुआत में हॉकी इंडिया ने कहा था कि पाक भी दक्षिण कोरिया, मलेशिया, चीन और जापान के साथ कॉन्टिनेंटल चैम्पियनशिप के लिए भारत आएगा पर अब हालात बदल गये हैं। हॉकी इंडिया के अनुसार पाक के मैचों के तटस्थ स्थल पर आयोजन को लेकर अभी कोई बात नहीं हुई है। साथ ही कहा कि इस मामले में सरकार की नीति का पालन किया जाएगा। गौरतलब है कि एशिया कप का महत्व बहुत अधिक है क्योंकि यह विश्व कप क्वालीफार जिसके विजेता को अगले साल के मेगा-इवेंट के लिए सीधा प्रवेश मिलना है, जिसकी सह-मेजबानी नीदरलैंड और बेल्जियम करेंगे। इसमें भारत का मुकाबला गत विजेता दक्षिया कोरिया से होना है। इसके अलावा पाक की अंडर-23 टीम को एफआईएच जूनियर विश्व कप में भी भाग लेना है, जो कि साल के अंत में चेन्नई और मदुरै में होना है। इसमें भी अब उसके अवसर नहीं मिलेगा।

क्रुणाल पांड्या को खरीदना फायदेमंद रहा: फ्लावर

बेंगलुरु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें खरीदे जाने का फैसला सही साबित हुआ है। फ्लावर ने कहा है कि इस सत्र में अब तक क्रुणाल ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पूरे सत्र में बीच के ओवरों में क्रुणाल का अहम योगदान रहा है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दूसरी पारी में क्रुणाल ने अपनी विविधताओं के बल पर विरोधी टीम को लक्ष्य हासिल नहीं करने दिया। क्रुणाल ने अपनी पहली ही गेंद पर राजस्थान के कार्यकारी कप्तान रियान पराग को आउट करके उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। फ्लावर ने मैच के बाद कहा, नीलामी में क्रुणाल हमारे लिए बहुत काफी अहम पसंद थे। हमें उनकी हरफनमौला क्षमताएं पसंद आईं और उनका अनुभव भी। उन्हें आईपीएल में कप्तानी का अनुभव होने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का भी अनुभव है। उनमें जोश भी है और मुझे यह वाकई पसंद है। फ्लावर ने टीम के अच्छे प्रदर्शन के लिए स्पिन गेंदबाजी कोच मालोलन रंगराजन को श्रेय दिया, जिन्होंने क्रुणाल के साथ मिलकर काम किया है और अलग-अलग रणनीति तैयार की है जिसे 34 वर्षीय खिलाड़ी सफलता हासिल करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने हमारे स्पिन कोच के साथ अच्छा काम किया है। मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन ऑल-राउंड कोच हैं।

यशस्वी ने तीन मैचों में पहली ही गेंद पर छक्का लगाने का रिकार्ड बनाया

जयपुर।

राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। अब यशस्वी तीन आईपीएल मैचो में पहली ही गेंद पर छक्का लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गये हैं। इस सूची में विराट कोहली और मयंक अग्रवाल का नाम भी है। अब तक अब तक कुल मिलाकर आठ बल्लेबाजों ने आईपीएल मैच की पारी की पहली गेंद पर ही छक्का मारा है पर यशस्वी ही एकमात्र क्रिकेटर हैं जिन्होंने यह कारनामा तीन बार किया है। आरसीबी के खिलाफ पारी की शुरुआत करने आए यशस्वी ने 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भुवनेश्वर कुमार की पहली गेंद पर बड़ा छक्का मारा।

यशस्वी ने पहले भी दो मैच में पहली गेंद पर ही छक्का लगाया था। अब तीसरी बार यह कमाल कर उन्होंने बाकी बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया है। वहीं नमन ओझा]मयंक अग्रवाल, सुनील नरेन, विराट कोहली, रॉबिन उथप्पा, फिल साल्ट और प्रियांश आर्या ने भी एक बार पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। वहीं राजस्थान रॉयल्स की टीम को इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार 5वीं हार मिली जिससे उसके प्लेऑफ की राह अब कठिन हो गई है। आरसीबी के खिलाफ 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 9 विकेट पर 9 विकेट पर 194 रन ही बना पाई। इस हार के बाद अब राजस्थान के प्लेऑफ की उम्मीदें तकरीबन समाप्त खत्म हो गई हैं। 9 मैच खेलने के बाद उसे 7 में हार मिली है। जिससे वह अंक तालिका में 8वें नंबर है।

संक्षिप्त समाचार

हेजलवुड पर भड़के यशस्वी

बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में आउट होने के बाद तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड पर भड़क गये जिसके बाद अंपायर ने आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार को चेतावनी दी। इस मैच में यशस्वी जब आउट हुए तब हेजलवुड ने कुछ इशारे किये जिससे यशस्वी भड़क गये और उन्होंने कुछ कहा। जिससे अंपायर ने आचारसंहिता का उल्लंघन माना है। इस मैच में हेजलवुड और यशस्वी जायसवाल के बीच विवाद चौथे ओवर से ही शुरू हो गया था। हेजलवुड की पहली तीन गेंदें नहीं खेल पाने के बाद यशस्वी ने तीन चौके लगाए। इसके बाद पावरप्ले के अंतिम ओवर में भी दो चौके और एक छक्का लगाया। ओवर की पांचवीं गेंद पर हेजलवुड ने एंगल बदला और अराउंड द विकेट बॉलिंग की, इस बार जायसवाल शॉट लगाने के प्रयास में आउट हो गये। हेजलुड ने इस मैच में कुल 4 विकेट लेकर आरसीबी की जीत में अहम भूमिका निभाई। 6ठे ओवर में यशस्वी को आउट करने के बाद उन्होंने शिमरन हेटमायर को आउट किया। इसके बाद उन्होंने 19वें ओवर में 1 रन देकर ध्रुव जुरेल और जोफ्रा आर्चर का विकेट लिया।

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2025 से बाहर होने वाली पहली टीम बनी

नई दिल्ली।

राजस्थान रॉयल्य टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र से बाहर होने वाली पहली टीम बनी है। रॉयल्स की टीम अपने 9 वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 11 रनों से हार के साथ ही मुकाबले से बाहर हो गयी। यह रॉयल्स की इस सत्र में लगातातर पांचवीं हार है। रॉयल्स ने अभी तक आईपीएल सत्र में 9 मैच खेले हैं। जिसमें 7 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है जबकि उसके केवल 2 मैचों में ही जीत मिली है। आरसीबी से मिली हार के बाद टीम अंक तालिका में 8वें स्थान पर फिसल गयी है। रॉयल्स को अब इस सीजन में अब बचे हुए पांच मुकाबले गुजरात टाइटंस, मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलने हैं। अगर वह ये सभी मुकाबले जीत भी जाती है तो अधिक से अधिक 4 अंकों तक ही पहुंच सकेगी। जिस तरह से शीर्ष चार से पांच टीमों के अंक हैं। ऐसे में साफ है कि 14 अंकों के साथ कोई टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर पाएगी। हालांकि अगर राजस्थान इतने अंकों तक पहुंचने में सफल रहती है तो भी उन्हें दूसरी टीमों के परिणामों पर आधारित रहना होगा। जब से लीग में 10 टीमों ने भाग लेना शुरू किया है तब से मात्र 1 ही बार ऐसा हुआ है जब 14 अंकों के साथ किसी टीम ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया हो।

अरशद को आमंत्रण मामले में नीरज ने दी सफाई

नई दिल्ली।

ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा क्लासिक जेवलिन थ्रो इवेंट में पाकिस्तान के स्टार भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम को दिये आमंत्रण के कारण प्रशंसकों के निशाने पर आ गये हैं। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद कुछ लोगों ने नीरज के इस आमंत्रण पर सवाल उठाये हैं। नीरज ने हालांकि ये आमंत्रण आतंकी हमले की घटना के पहले दिया था। इस मामले में आलोचना के बाद अब नीरज ने सोशल मीडिया के जरिये अपना जवाब दिया है। नीरज ने सोशल मीडिया में एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उन्होंने लिखा, मैं आमतौर पर कम बोलने वाला व्यक्ति हूं पर इसका मतलब यह नहीं है कि मैं जो गलत समझता हूं उसके खिलाफ नहीं बोलूंगा। खासकर तब जब बात हमारे देश के प्रति मेरे प्यार और मेरे परिवार के सम्मान और प्रतिष्ठा पर सवाल उठाने की हो। अरशद को क्लासिक प्रतियोगित में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आमंत्रित करने के मेरे फैसले के बारे में बहुत चर्चा हुई है, और इसमें अधिकांश में नफरत वाली बातें कही गयी हैं। उन्होंने मेरे परिवार को भी इससे बाहर नहीं छोड़ा। मैंने अरशद को जो निमंत्रण दिया वह एक एथलीट की ओर से दूसरे एथलीट को था। इससे ज्यादा कुछ नहीं था। क्लासिक का उद्देश्य भारत में सर्वश्रेष्ठ एथलीटों को लाना और हमारे देश को विश्व स्तरीय खेल आयोजनों का घर बनाना था। ये आमंत्रण पहलगाम में आतंकवादी हमलों से दो दिन पहले ही भेजा गया था। वहीं पिछले 48 घंटों में जो कुछ भी हुआ है, उसके बाद इस प्रतियोगिता में अरशद के भाग लेने का सवाल ही नहीं उठता है। मेरा देश और उसके हित हमेशा मेरे लिए सबसे पहले रहेंगे। जो लोग अपने लोगों के नुकसान से गुजर रहे हैं, मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। पूरे देश के साथ-साथ, मैं भी जो कुछ हुआ है, उससे आहत और क्रोधित हूं। मुझे विश्वास है कि हमारे देश की प्रतिक्रिया एक राष्ट्र के रूप में हमारी ताकत दिखाएगी और न्याय मिलेगा। मैंने इतने सालों तक अपने देश को गर्व के साथ संभाला है, इसलिए मेरी ईमानदारी पर सवाल उठते देखना दुखद है। मुझे दुख होता है कि मुझे उन लोगों के सामने खुद को स्पष्ट करना पड़ रहा है जो बिना किसी ठोस कारण के मुझे और मेरे परिवार को निशाना बना रहे हैं। हम साधारण लोग हैं, कृपया हमें कुछ और न समझाएं। मीडिया के कुछ वर्गों ने मेरे बारे में बहुत सी झूठी कहानियां गढ़ी हैं केवल इसलिए कि मैं नहीं बोलता पर इसका मतलब यह नहीं है कि वे सभी सच हैं।

बीसीसीआई ने आईसीसी से दोनो टीमों को एक ग्रुप में न रखने कहा

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा गया है कि उनकी टीम को आईसीसी टूर्नामेंटों में पाकिस्तान के साथ एक ही ग्रुप में न रखा जाये। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई अब नहीं चाहता है कि उसे आईसीसी टूर्नामेंटों में लीग स्तर पर भी पाक से खेलना पड़े। आईसीसी का अगला टूर्नामेंट सितंबर में भारत में ही महिला विश्वकप है। इसके लिए पाक ने भी अन्य आठ टीमों के साथ क्वालीफाई किया है पर उसमें भी अब दोनो के ग्रुप अलग ही रहेंगे। यह टूर्नामेंट राउंड रॉबिन आधार पर खेला जाएगा। वहीं पुरुष क्रिकेट की करें तो, अगला आईसीसी टूर्नामेंट 2025 में है। यह टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका के पास है। इसमें भी दोनो ही टीमें अलग ग्रुप में रहेंगी। बीसीसीआई के लिए बड़ी परेशानी सितंबर में होने वाला एशिया कप है। माना जा रहा है कि ये टूर्नामेंट पूरी तरह से तटस्थ स्थल पर खेला जाएगा, इसमें दुबई और श्रीलंका भी संभावित स्थलों में हैं। एशिया कप का अंतिम सत्र 2023 में एकदिवसीय विश्वकप से पहले हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था, जिसमें भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया था और दोनों टीमें के बीच दो बार मुकाबला हुआ था पर इस बार दोनो ही अलग ग्रुप में रहेंगी।

अच्छी शुरुआत के बाद भी हारा राजस्थान, होम ग्राउंड पर बेंगलुरु की पहली जीत, हेजलवुड ने 4 विकेट लिए

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने होमग्राउंड चिन्नास्वामी स्टेडियम में सीजन का पहला मैच जीत लिया। टीम ने राजस्थान रॉयल्स को 11 रन से हरा दिया। जोश हेजलवुड ने 19वें ओवर में 1 ही रन खर्च किया, उन्होंने इस ओवर में 2 विकेट लेकर मैच पलट दिया। हेजलवुड ने मैच में 4 विकेट लिए। शुक्रवार को बेंगलुरु में ऋऋ ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। बेंगलुरु ने 5 विकेट खोकर 205 रन बनाए। जवाब में राजस्थान 9 विकेट खोकर 194 रन ही बना सकी। यशस्वी जायसवाल ने 49 और ध्रुव जुरेल ने 47 रन बनाए। संदीप शर्मा को 2 विकेट मिले। बेंगलुरु से विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने फिफ्टी लगाई। क्रुणाल पंड्या ने 2 विकेट लिए।

वैभव के सितारे उसे बनाएंगे विराट जैसा क्रिकेटर !

नई दिल्ली।

14 साल की उम्र में आईपीएल खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी के भविष्य में विराट कोहली जैसा क्रिकेटर बनने की उम्मीद जतायी जा रही है। बिहार के समस्तीपुर में जन्मे वैभव ने केवल 12 साल की उम्र में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया और 14 साल 23 दिन की उम्र में आईपीएल में डेब्यू किया और अब राजस्थान रॉयल्स लिए वह खेला रहा है।ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वैभव की कुंडली धनु लग्न की है जिसमें राहु-चंद्र युति बनी हुई है। धनु लग्न में राहु (3 डिग्री) और चंद्रमा (27 डिग्री)= अत्यधिक महत्वाकांक्षा, रातोंरात प्रसिद्धि की संभावना पैदा कर रहा है। तीसरे भाव में शुक्र और नेपच्यून वैभव सूर्यवंशी को बेमिसाल टाइमिंग, एस्थेटिक बैटिंग स्टाइल दे रहा है. वहीं कुंडली के चतुर्थ भाव में सूर्य, बुध, गुरु और मंगल ग्रह का दुर्लभ योग क्रिकेट को लेकर स्थायित्व, तकनीक, और शारीरिक सामर्थ्य को दर्शा रहा है। दशम भाव में शनि देव मेहनत से उभरने वाला, बड़ा बनने की पूरी क्षमता प्रदान कर रहे हैं।वर्तमान में इस खिलाड़ी की कुंडली में चंद्रमा महादशा और राहु अंतरदशा (2023-2025) चल रही है. यह समय होता है जब कोई खिलाड़ी अचानक मीडिया की नजर में आता है, कोई रिकॉर्ड बनाता है या बड़े टूर्नामेंट्स में चुना जाता है।

ग्रहों की गणना का सूक्ष्म विश्लेषण करें तो ये स्पष्ट है कि वैभव के अच्छे समय की शुरुआत हो गयी है, 2025 में कुछ रुकावटों के साथ वर्ष 2026 से मंगल की दशा आरंभ होने पर इस खिलाड़ी का भाग्य बदलेगा।

युवराज ट्रेनिंग दें तो गेल की तरह बन सकते हैं अर्जुन तेंदुलकर: योगराज

नई दिल्ली।

पूर्व क्रिकेटर से कोच बने योगराज सिंह ने अब दावा किया है कि सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर क्रिस गेल जैसे खिलाड़ी बन सकते हैं। अपने बयानों के कारण विवादों में रहने वाले योगराज ने कहा, अर्जुन को लेकर मैंने कहा है कि उन्हें अपनी गेंदबाजी पर कम और बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान देना चाहिए। साथ ही कहा कि अगर युवराज सचिन के बेटे को तीन महीने के लिए भी ट्रेनिंग देते हैं तो मुझे भरोसा है कि वह अगले क्रिस गेल बन जाएंगे। साथ ही कहा कि अगर कोई तेज गेंदबाज स्ट्रेस फ्रैक्चर से गुजरता है, तो वह प्रभावी ढंग से गेंदबाजी नहीं कर पाता। ऐसे में मुझे लगता है कि अर्जुन को कुछ समय के लिए युवराज को सौंप दिया जाना चाहिए। अर्जुन ने 2022 में रणजी ट्रॉफी की शुरुआत से पहले 12 दिनों के लिए योगराज सिंह से प्रशिक्षण लिया था। इसके बाद पोरवोरिम में गोवा के लिए खेलते हुए अर्जुन ने रणजी ट्रॉफी में अपने डेब्यू पर शतक बनाया था। योगराज ने कहा, सचिन का बेटा, अगर 12 दिनों के लिए यहां आता है और 100 रन बनाता है। जब उसने डेब्यू पर शतक बनाया और फिर आईपीएल में वापस लौटा, तो लोग डर गए, क्या होगा अगर उसका (अर्जुन का) नाम मेरे साथ जुड़ गया? क्या आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है? इसलिए लोग अपने नाम के पीछे टैग लगने से डरते हैं। मैंने युवराज से कहा कि सचिन को बोलो उसे एक साल के लिए मेरे पास छोड़ दो और फिर परिणाम देखो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है। भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्राय: बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

● मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें. ● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.

● फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

● उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अत: पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुणे में मिले 111 पाकिस्तानी नागरिक, प्रशासन अलर्ट मोड पर, जिला कलेक्टर ने दिए देश लौटने के निर्देश

पुणे (एजेंसी)। बीते मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। इस फायरिंग में 27 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में महाराष्ट्र के छह पर्यटकों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद पूरे देश में हड़कंप मचा हुआ है और हर तरफ बदला लेने की मांग हो रही है। अब पुणे से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। पुणे शहर में 111 पाकिस्तानी नागरिक हैं और इन लोगों को केंद्र सरकार द्वारा जो निर्देश दिए गए हैं उसके अनुसार निर्देश दिए गए हैं, इस बात की जानकारी पुणे शहर के कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने दी है। उन्होंने कहा, पासपोर्ट विभाग के साथ-साथ वीजा जारी करने वाले लोगों से भी जानकारी ली जा रही है। अब तक मिली जानकारी से पता चलता है कि 111 नागरिक पाकिस्तान के हैं और उन्हें प्रशासन के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए अपने देश लौटने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, हमारे पास पूरा डेटा नहीं है और यह संख्या बढ़ने की संभावना है। इनमें विभिन्न प्रकार के वीजा रखने वाले लोग शामिल हैं और उन्हें केंद्र के निर्देशों के अनुसार अपने देश लौटने के निर्देश दिए गए हैं।

महिला ने कहा- कठुआ में दिखे 4 संदिग्ध... सुरक्षाबलों ने चलाया सर्च ऑपरेशन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में सुरक्षा बलों ने एक बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। यह कार्रवाई हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद की जा रही है, जिसमें दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के बीच इलाके को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सूत्रों के अनुसार, सर्च ऑपरेशन तब शुरू हुआ जब एक महिला ने पुलिस को सूचना दी कि उसने इलाके में चार संदिग्ध लोगों को देखा गया है। महिला की सूचना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और सुरक्षा बल तुरंत हरकत में आ गए। जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) मौके पर पहुंच गई और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर सघन तलाशी अभियान शुरु कर दिया। इलाके की घेराबंदी कर दी गई और हर आने-जाने वाले पर कड़ी नजर रखी जा रही है। यह इलाका अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित है और यहां पहले भी घुसपैठ की कोशिशें देखी जा चुकी हैं। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि संदिग्ध किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में हो सकते हैं। पुलिस और सेना की टीमें तलाशी अभियान को बेहद सावधानी और रणनीतिक तरीके से अंजाम दे रही हैं। इस दौरान ड्रोन और स्निफर डॉग्स की भी मदद ली जा रही है। इसके अलावा, पुलवामा के करीमाबाद इलाके में भी सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। यह इलाका पहले भी आतंकियों की मौजूदगी के लिए चर्चित रहा है और यहां से कई बार मुठभेड़ की खबरें आती रही हैं। फिलहाल पूरे इलाके को सील कर दिया गया है और तलाशी का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है।

जज को जान से मारने की धमकी- अगर जीना है तो कम बोला करो..., पुलिस सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहाँ एक न्यायिक अधिकारी को जान से मारने की धमकी दी गई है। द्वारका के ककरोला इलाके में टहल रहे एक स्थानीय अदालत के जज को कार सवार दो अज्ञात लोगों ने धमकी दी और फिर फरार हो गए। इस घटना की पुलिस सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई है, जिसमें बताया गया, कि 1 अप्रैल को जब जज टहलने निकले थे, तभी एक कार में सवार दो अज्ञात युवकों ने उनकी ओर ध्यान खींचने के लिए तेज हॉर्न बजाया। कार में बैठे एक व्यक्ति ने जज की ओर इशारा करते हुए धमकी भरे लहजे में कहा, अगर जीना है तो कम बोला करो... धमकी देने के बाद दोनों व्यक्ति मौके से फरार हो गए। इसके बाद जज ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत पुलिस को सूचित किया। दिल्ली पुलिस ने धारा 506 (आपराधिक धमकी) और अन्य संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। द्वारका पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामला संवेदनशील है। किसी भी न्यायिक अधिकारी को धमकी देना कानून के खिलाफ है और हम जल्द ही आरोपियों को पकड़ने में सफल होंगे। इस घटना ने राजधानी में न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

राइस मिल में लगी आग बुझाने की कोशिश में 5 मजदूरों की दम घुटने से मौत, तीन गंभीर

बहराइच (एजेंसी)। दरगाह इलाके में स्थित राजगढ़िया राइस मिल में शुक्रवार सुबह अचानक आग लग गई। तेज हवा के कारण आग फैलने में देर नहीं लगी। लपटें विकराल होने लगी। वहीं धुआं भी बढ़ने लगा। अफरातफरी मची गई। इसी बीच कुछ मजदूर आग बुझाने में प्रयास में लग गए। वे धुआं की चपेट में आए और 5 लोगों का दम घुट गया, जिससे उनकी मौत हो गई। जबकि 3 मजदूरों की हालत गंभीर है उन्हे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीएम मोनिका रानी ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर हाल जाना है। आग की वजह के बारे में अभी तक जानकारी नहीं हो सकी है। कारण पता किया जा रहा है।बताया जा रहा है कि दरगाह में राजगढ़िया राईस मिल है। मिल में सुबह सुबह अचानक आग लग गई। वहीं आग पर काबू पाने कर्मचारी जुटे रहे। आग कैसे लगी इसकी जानकारी अभी नहीं हो सकी है। आग लगाने की जांच को अधिकारी लग गए है। प्रशासनिक अधिकारी मामले की जांच में जुट गए हैं ।मेडिकल कॉलेज के सीएमएस डा एमएम त्रिपाठी ने पांच मौतों की पुष्टि की है। वहीं देर रात लखनऊ में चिनहट के पपनामऊ में गुरुवार देर रात प्लास्टिक दाना फैक्ट्री में आग लग गई।

सीएम नीतीश का इशारा: क्या 2022 में ललन सिंह तुड़वा चुके हैं बीजेपी-जेडीयू गठबंधन?

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मधुबनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के दौरान अपने संबोधन में इशारों ही इशारों में एक बड़ा राजनीतिक बयान दिया। नीतीश कुमार ने मंच पर इशारा करते हुए बिना किसी का नाम लिए कहा कि उनकी पार्टी के एक नेता ने कुछ गड़बड़ी की, जिसकी वजह से बीजेपी के साथ गठबंधन टूट गया और वे महागठबंधन में शामिल हो गए थे। इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या नीतीश कुमार का इशारा अपने ही पार्टी के वरिष्ठ नेता ललन सिंह की तरफ था, जिन्होंने 2022 में बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ा था।

दरअसल सीएम नीतीश कुमार ने इशारा करते हुए मंच से कहा था, कि हम लोग तो हमेशा एक साथ रहे हैं लेकिन बीच में कुछ गड़बड़ कर दिया हमारे पार्टी वाले और यहीं पर वह बैठे हैं। अब उन्हीं से पूछिए... बाद में उन्हीं को लगा है कि वह लोग गड़बड़ हैं और हम लोग उन्हें छोड़ दिए... अब हम कभी उन लोगों के साथ नहीं जा सकते हैं।

उनका यह बयान ऐसे समय में आया जब उन्होंने सीधे तौर पर पार्टी के किसी नेता का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनके बयान से यह साफ संकेत मिल रहे थे कि उनका इशारा ललन सिंह की ओर था, जो 2022 में जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे और उन्हीं की अध्यक्षता में बीजेपी से गठबंधन टूटा था।

गौरतलब है कि 2022 में नीतीश कुमार ने बीजेपी के साथ अपना गठबंधन तोड़ते हुए महागठबंधन में शामिल होने का फैसला लिया था। उस वक्त ललन सिंह ही जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। ललन सिंह का राजनीतिक प्रभाव जेडीयू में बहुत मजबूत था और उनके नेतृत्व में पार्टी ने कई अहम फैसले लिए थे। 2023 में ललन सिंह ने जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद नीतीश कुमार को ही पार्टी का नेतृत्व संभालना पड़ा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस सियासी बयान का असर बिहार की राजनीति पर क्या पड़ता है और क्या नीतीश कुमार और ललन सिंह के बीच कोई अंदरुनी मतभेद बढ़ेंगे।

पाकिस्तान की गीदड़ भभकी से डरने वाला नहीं भारत : गिरिराज सिंह

-लालू यादव और फारुख पाकिस्तान के लिए प्रेम दिखाते

पटना । पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक हुई। बैठक में पांच महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। मोदी सरकार के फैसले पर पाकिस्तान गीदड़ भभकी दे रहा है। पाकिस्तान की गीदड़ भभकी पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा भारत इन धमकियों से डरने वाला नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज पीएम मोदी ने स्पष्ट रूप से आतंकियों को चेताया है। मुझे दुख इसका हैं कि कांग्रेस और आरजेडी जैसी पार्टियां, जो बिहार में कैंडल मार्च निकालती हैं और जांच कमेटी की मांग करती हैं, उन्हें शर्म आनी चाहिए। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगा। पहलगाम में हुई घटना पर जांच की मांग कर रहे हैं। विपक्ष जख्म पर नमक डालता है। उन्होंने कहा कि लालू यादव और फारुख अब्दुल्ला जैसे लोग भारत में रहकर पाकिस्तान के प्रति अपना प्रेम दिखाते हैं। भारत की जनता कभी क्षमा नहीं करेगी। आरजेडी पहलगाम घटना की जांच की मांग करती है। इन्हें शर्म आनी चाहिए। बता दें कि गुरुवार को पीएम मोदी बिहार दौरे पर थे। उन्होंने कहा कि देश के दुश्मनों ने भारत की आस्था पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी।

एलजी ने 28 अप्रैल को बुलाया जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र, पहलगाम हमले पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर विधानसभा को सोमवार, 28 अप्रैल, 2025 को सुबह 10ः30 बजे जम्मू में बुलाने का आदेश दिया गया है। यह आदेश 24 अप्रैल को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 18(1) के तहत जारी किया। विधानसभा सचिव मनोज कुमार पंडित ने विधानसभा के सभी माननीय सदस्यों को संबोधित आधिकारिक समन भेजा। सत्र में तत्काल सुरक्षा चिंताओं और अन्य महत्वपूर्ण विधायी और प्रशासनिक मामलों पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है।

इससे पहले जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया तथा पाकिस्तान के खिलाफ भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का समर्थन किया गया। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हम, जम्मू-कश्मीर की सर्वदलीय बैठक के प्रतिभागी, 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए हाल ही के बर्बर हमले से बहुत स्तब्ध और व्यथित हैं, सामूहिक एकजुटता और संकल्प की भावना से इस प्रस्ताव को अपनाते हैं। हम पहलगाम में हुए जघन्य, अमानवीय हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं, जिसमें निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया और उनकी हत्या की गई।

अब्दुल्ला ने कहा कि शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ क्रूरता के ऐसे कायरतापूर्ण कृत्यों का समाज में कोई स्थान नहीं है और यह कश्मीरियत के मूल्यों और भारत के विचार पर सीधा हमला है, जो लंबे समय से इस क्षेत्र में एकता, शांति और सद्भाव का प्रतीक रहे हैं। हम कल घोषित केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का भी समर्थन करते हैं। हम उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं जिन्होंने नुकसान उठाया है। हम शहीद सैयद आदिल हुसैन शाह के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं, जिन्होंने पहलगाम में अपने घोड़े पर पर्यटकों को ले जाया और पर्यटकों को बचाने के लिए आतंकवादियों में से एक से लड़ने के प्रयास में शहीद हो गए।

महाराष्ट्र में भी पहलगाम जैसी घटना घटने की आशंका

जलगांव (एजेंसी)। पाकिस्तान से आए 327 पाकिस्तानी नागरिक पर्यटक वीजा पर महाराष्ट्र के जलगांव में रह रहे हैं। इसके कारण भविष्य में जलगांव जिले में भी पहलगाम जैसी या अनुचित घटनाएं हो सकती हैं। दरअसल शिवसेना ठाकरे गुट के नेता गजानन मालपुरे द्वारा लगाए गए चौंकाने वाले आरोपों से हलचल मच गई है। आपको बता दें कि कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद नरेंद्र मोदी ने भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की चेतावनी दी है। इसके बाद जलगांव जिले में बसे पाकिस्तानी नागरिकों का मुद्दा चर्चा में आ गया है।

शिवसेना ठाकरे गुट के नेता गजानन मालपुरे ने कुछ साल पहले जलगांव में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों के संबंध में उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। गजानन मालपुरे ने यह भी आरोप लगाया है कि जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन राजनीतिक दबाव के कारण संबंधितों की उपेक्षा कर रहा है। इस बीच, गजानन मालपुरे ने यह सवाल भी उठाया है कि यदि भविष्य में संबंधित नियमों और शर्तों का पालन न करने के कारण कोई अनुचित घटना घटित होती है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा ?

आदेशानुसार कार्यवाही की जाएगी

पाकिस्तान से भारत आने वाले नागरिकों का मुद्दा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बयान के जरिए सामने आया। मोदी ने सार्क वीजा और पर्यटक वीजा पर पाकिस्तान से भारत आए नागरिकों से भी तुरंत भारत छोड़ने की अपील की है। इस घटना के बाद जिला पुलिस बल सक्रिय हो गया है और जलगांव में पाकिस्तानी नागरिकों की जांच और पूछताछ शुरू कर दी गई है। यह बात सामने आई है कि 327 पाकिस्तानी नागरिक पर्यटक वीजा पर जलगांव में रह रहे हैं। पुलिस विभाग ने बताया है कि इस मामले को लेकर सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक नखाते ने दी।

कार्रवाई नहीं करने पर उठ रहे सवाल

जलगांव में सैकड़ों पाकिस्तानी नागरिक रह रहे हैं जिनके वीज़ा की अवधि समाप्त हो गई है। यदि भारतीय नागरिकता स्वीकार करने के बाद भी पाकिस्तानी नागरिक जलगांव में रहते हुए सरकारी नियमों की शर्तों का पालन नहीं करते हैं तो यह निश्चित रूप से गंभीर मामला है। प्रशासन और पुलिस बल द्वारा संबंधितों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन पहलगाम की तरह जलगांव में भी किसी हमले का इंतजार तो नहीं कर रहा है? अब यह प्रश्न भी उठाया जा रहा है। बहरहाल पहलगाम में हुई गंभीर घटना और प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद क्या इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी? यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

'हिंदू कभी धर्म पूछकर नहीं मारते, दिखानी होगी शक्ति', पहलगाम हमले पर मोहन भागवत का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष नागरिकों से उनके धर्म के बारे में पूछताछ करने के बाद उनकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि एक हिंदू कभी ऐसा कृत्य नहीं करेगा। उन्होंने सरकार से पहलगाम आतंकी हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया, जिसमें 26 लोग, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे, बंदूकधारियों द्वारा मारे गए थे। आरएसएस प्रमुख ने मुंबई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों से उनका धर्म पूछा गया और उन्हें मार दिया गया। हिंदू ऐसा कभी नहीं करेंगे।

भागवत ने कहा कि अभी जो लड़ाई चल रही है, वह संप्रदाय और धर्म के बीच नहीं है। इसका आधार संप्रदाय और धर्म है, बल्कि यह लड़ाई 'धर्म' और 'अधर्म' के बीच है। हमारे सैनिकों या हमारे लोगों ने कभी किसी को उसका धर्म पूछकर नहीं मारा। जो कट्टरपंथी लोगों ने लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा, हिंदू ऐसा कभी नहीं करेंगे। इसलिए देश को मजबूत होना चाहिए। सभी दुखी हैं, हमारे दिलों में गुस्सा है जैसा कि होना चाहिए, क्योंकि राक्षसों का नाश करने के लिए अपार शक्ति की आवश्यकता होती है। लेकिन कुछ लोग इस बात को समझने को तैयार नहीं हैं, और उनमें अब किसी भी तरह का बदलाव नहीं हो सकता।

भागवत ने कहा कि रावण भगवान शिव का भक्त था, वेदों का ज्ञाता था, एक अच्छा इंसान बनने के लिए जो कुछ भी चाहिए वो सब उसके पास था, लेकिन उसने जो मन और बुद्धि अपनाई थी वो बदलने को तैयार नहीं थी। रावण तब तक नहीं बदल सकता था जब तक वो मर कर दोबारा जन्म न ले। इसीलिए राम ने रावण को बदलने के लिए उसे मारा। बुरे लोगों का खात्मा होना चाहिए, यही

अपेक्षा है। ये अपेक्षा पूरी होगी। पाकिस्तान समर्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के आतंकवादियों ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों के बीच हिंदुओं को निशाना बनाया और फिर उन पर गोलियां बरसा दीं।

अल्टीमेटम के बाद क्या पाकिस्तानी सीमा हैदर को छोड़ना पड़ेगा भारत

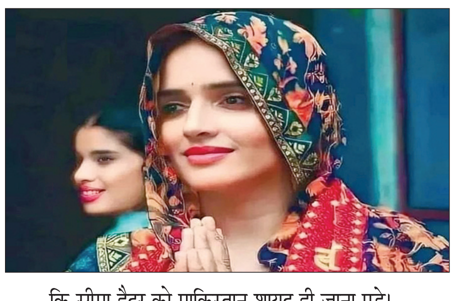

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। सरकार ने पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानियों का वीजा रद्द कर दिया है। सभी पाकिस्तानियों को 48 घंटे के अंदर देश छोड़ने का आदेश जारी कर दिया गया है। अब सवाल है कि क्या पाकिस्तान से आकर अवैध तरीके से भारत में रह रही सीमा हैदर को भी भारत छोड़कर पाकिस्तान में जाना पड़ेगा। इसको लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बहसबाजी शुरू हो चुकी है।पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अटारी बॉर्डर को बंद कर दिया गया है। भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को इस रास्ते से लौटने के लिए एक मई तक का समय दिया गया है। पाकिस्तानी नागरिक अब भारत दौरा नहीं कर सकेंगे। भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय दिया गया है। सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं। क्या सीमा हैदर भी पाकिस्तान जाएगी?

इस सवाल पर सोशल मीडिया पर बहस जारी है। कई यूजर्स सीमा हैदर को पाकिस्तान भेजने की सलाह दे रहे हैं। कई यूजर्स दावा करते नजर आ रहे हैं कि सीमा हैदर को अब भारत छोड़ना होगा। कुछ यूजर्स सीमा हैदर को स्टार बनाने पर नाराजगी जाता रहे हैं। अब सब की निगाहें सरकार के अगले कदम पर है। वहीं सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स यह भी लिख रहे हैं कि सीमा हैदर को पाकिस्तान शायद ही जाना पड़े। पहली वजह यह बताई जा रही है कि भारत सरकार ने वीजा रद्द करने की बात कही, जबकि सीमा हैदर नेपाल के रास्ते आई हैं। वीजा लेकर नहीं। दूसरी बात यह भी है की सीमा हैदर भारतीय नागरिक सचिन की पत्नी बन चुकी है और सचिन से एक बच्चा भी सीमा हैदर की नागरिकता और अवैध प्रवास को लेकर मामला कोर्ट में विचाराधीन है। ऐसे में उस पर कार्यवाही फिलहाल नहीं होगी। जब तक की कोर्ट कोई फैसला न सुना दे। सीमा हैदर को लेकर सवाल इस वजह से उठ रहे है, क्योंकि वह न तो वैध तरीके से भारत आई थी और न ही उसके पास कोई भारतीय नागरिकता है। वहीं सुरक्षा एजेंसी पहले से ही सीमा की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। इस पूरे मामले की जांच की जा रही हैं। इस मुद्दे पर फिलहाल केंद्र सरकार की तरफ से सीमा हैदर को लेकर कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है।

सीमा हैदर के वकील एपी सिंह ने बताया कि। सीमा की एक बच्ची हो चुकी जो अभी अस्पताल में है इनका मामला बिल्कुल अलग है। मर्सी पिटीशन ऑलरेडी दी जा चुकी है। ऐसा कोई भी नियम नहीं है, लेकिन आगे देखते हैं क्या होता है जो बन पड़ेगा किया जाएगा। बच्ची का जन्म इंडिया में हुआ था। इसलिए, उसे नागरिकता मिल चुकी है। सीमा, भारत की बहू है। इसके ऊपर कई केस भी भारत में है। नागरिकता के लिए प्रक्रिया चल रही है। भारत सरकार के टच में हैं। वही विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा हैदर का भारत आना अवैध था। अब सरकार ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का निर्देश दिया है। ऐसे में उस पर कार्यवाही संभव है। पहलगाम हिंसा को भारत ने काफी गंभीरता से लिया है। ऐसे हालात में सीमा हैदर को भी भारत छोड़ना पड़ सकता है। फिलहाल, ऐसा करना आसान नहीं है, क्योंकि राज्य सरकार पर निर्भर करता है कि वह सीमा हैदर को भारत में रहने की इजाजत देगा या नहीं। एक और तथ्य ध्यान रखने योग्य है जो कि सीमा हैदर ने भारतीय नागरिक सचिन मीना से शादी की है। सचिन से उसका एक बच्चा भी है ऐसे में यूपी सरकार की प्रतिकूल रिपोर्ट आने पर भी सीमा हैदर पर कार्यवाही होगी।

पीएम मोदी पर तंज कसते हुए संजय राउत का पोस्ट, आज देश को इंदिरा की बहुत याद आ रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा उबाल पर है। पूरे देश में पाकिस्तान से हमले का बदला लेने की मांग उठ रही हैं। केंद्र की मोदी सरकार भी पाकिस्तान के खिलाफ कड़े फैसले ले रही है। लेकिन मामले में राजनीति भी शुरु हो गई है। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने केंद्र और प्रधानमंत्री मोदी को तंज कसते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तस्वीर साझा की है।

तस्वीर के कैप्शन में राउत ने लिखा, आज देश को इंदिरा की बहुत याद आ रही हैं ! जय हिंद ! राउत का यह तंज पीएम मोदी के ऊपर माना जा रहा है। हालांकि यह तंज इसलिए भी चर्चा का विषय बन जाता है, क्योंकि शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे को गांधी परिवार और कांग्रेस का विरोधी माना जाता है लेकिन फिलहाल शिवसेना उद्धव गुट कांग्रेस के साथ गठबंधन में है। इसके बाद उद्धव गुट की तरफ से इंदिरा की तारीफ करना भाजपा को हमला करने का मौका देती है।

बता दें कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने 1971 की जंग में पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। तब भारतीय सेना ने अपने पराक्रम से पूर्वी पाकिस्तान में करीब 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों को आत्म समर्पण कराया था। इस घटना के बाद इंदिरा गांधी की छवि एक मजबूत प्रधानमंत्री के तौर पर बन गई थी।

बता दें कि वर्तमान में मोदी सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े फैसले लिए हैं। इसमें सिंधु जल संधि को निरस्त कर देना भी शामिल है। पीएम मोदी ने मुधबनी की रैली में पूरी दुनिया को संदेश देकर कहा था कि भारत पहलगाम में आतंक की घटना को अंजाम देने वाले किसी भी आतंकी को छोड़ेगा नहीं।

सीमा की रखबाली को लेकर इसरो प्रमुख की प्लानिंग कैसे होगी कारगर

-दावा- सैटेलाइट निगरानी हुई तो परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सीमाओं की सुरक्षा को लेकर हर दौर की सरकारों के सामने चुनौतियां रही हैं। मोदी सरकार भी इससे दो-चार हो रही है, ऐसे में इसरो प्रमुख ने सीमा चौकसी का जो फारमूला बताया है वह कारगर साबित हो सकता है। भारत की सीमाएं प्राकृतिक चुनौतियों से भरी हुई हैं। इन सीमाओं की सुरक्षा मानवीय तौर पर करना बहुत ही चुनौती पूर्ण काम है। ऐसे में इसरो चीफ ने सीमा सुरक्षा में लगे सैनिकों के भार को कम करने वाला प्लान साझा किया है। यह प्लान आगामी तीन वर्षों के लिए सीमा सुरक्षा से जुड़ा बताया गया है। उन्होंने बताया कि आने वाले तीन सालों में सीमा सुरक्षा और तटीय सुरक्षा को कड़ा करने के लिए सुरक्षा की दृष्टि से 100-150 उपग्रह और जोड़े जाएंगे। पहलगाम में हुए आतंकियों द्वारा किए गए हमले के बाद लोगों के मन में भारतीय सीमाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो ये तकनीक कारगर सावित हो सकती है।

यहां पर इसरो चीफ ने कहा कि हमें अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए बहुत सारे उपग्रहों की आवश्यकता है, जितने हमारे पास हैं, वह पर्याप्त नहीं है। हमारा मानना है कि आगामी तीन सालों में हम करीब 100 से 150 उपग्रह इस काम में लगाएंगे। इस काम के जरिए देश की निगरानी में और भी ज्यादा सहूलियत होगी और हमारे सैनिकों का काम भी थोड़ा आसान होगा।एक कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले को लेकर सीमा सुरक्षा से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए अंतरिक्ष विभाग के सचिव नारायणन ने कहा कि सीमा पर चुनौतियों को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार पेश करने का प्रस्ताव दिया था। इसके तहत हमने इस क्षेत्र में निजी खिलाड़ियों की भागीदारी को भी अनुमित दी है। फिलहाल भारतीय सीमाओं की रक्षा के लिए करीब 55 उपग्रह काम कर रहे हैं लेकिन हम एक ऐसे देश हैं जिसकी तटीय सीमा ही लगभग 7500 किलोमीटर है और हमें इसकी निगरानी 24 घंटे करनी होती है, जमीनी सीमा की सुरक्षा के लिए भी हमें और भी ज्यादा उपग्रह चाहिए तो ऐसे में 55 उपग्रह पर्याप्त नहीं है।

इसरो चीफ ने सीमा सुरक्षा संबंधी मामलों पर अपनी राय रखने के अलावा इसरो की हालिया तकनीकि उपलब्धि पर भी अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने इस सप्ताह की शुरुआत में अपने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट मिशन के तहत उपग्रहों की दूसरी सफल डॉकिंग पूरी कर ली है। यह एक ऐसी उपलब्धि है जो भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन समेत उन तमाम देशों की फेहरिस्त में शामिल कर देता है जो ऐसी डॉकिंग करने में

सक्षम हैं। इस स्थिति में इसरो चीफ का प्लान कारगर साबित होने की उम्मीद जाहिर की जा रही है, बशर्ते जो कमियां हैं उन्हें पूरा करते हुए खामियों को दूर कर लिया जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रपति महामा ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को किया निलंबित

अक्करा, एजेंसी। घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश गर्ट्रूड टोरकोर्नू को निलंबित कर दिया है। सरकार की ओर से मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को जारी एक प्रेस बयान में मुख्य न्यायाधीश के निलंबन की जानकारी दी गई, लेकिन इसके पीछे कोई विवरण या स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। राष्ट्रपति के इस चौंकाने वाले कदम का विपक्ष ने कड़ा विरोध किया है। राष्ट्रपति ने मुख्य न्यायाधीश के निलंबन की घोषणा ऐसे समय में की है, जब उनके खिलाफ जांच शुरू की गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रपति महामा ने निलंबन की घोषणा तीन याचिकाओं के आधार पर मुख्य न्यायाधीश टोरकोर्नू के खिलाफ प्रारंभिक जांच के बाद की है। हालांकि, इन याचिकाओं को सार्वजनिक नहीं किया गया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब घाना में 1992 के संविधान के बाद किसी सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को निलंबित किया गया है।

महामा ने जनवरी में राष्ट्रपति के रूप में ली शपथ

जॉन महामा ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत संचार मंत्री के रूप में की। पिछले साल के अंत में उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव जीता और जनवरी में तीसरे कार्यकाल के लिए घाना के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। वे इससे पहले जुलाई 2012 से जनवरी 2017 तक राष्ट्रपति के पद पर थे। उन्होंने चुनाव में जीत के बाद देश में आर्थिक संकट- जो कि एक पीढ़ी में सबसे खराब है- के साथ-साथ भ्रष्टाचार और बेरोजगारी से निपटने का संकल्प लिया था।

सरकार ने कानून की अनदेखी की, विपक्ष चुप नहीं बैठेगा-बोआके

विपक्षी न्यू पैट्रियटिक पार्टी ने मुख्य न्यायाधीश टोरकोर्नू के निलंबन की निंदा की है। पार्टी ने इस फैसले का विरोध करने की धमकी दी है। पार्टी नेता हेनरी नाना बोआके ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि टोरकोर्नू का निलंबन गैर-कानूनी है। सरकरा ने कानून की अनदेखी की है और विपक्ष चुप नहीं बैठेगा। बोआके ने कहा, राष्ट्रपति को राजनीति से प्रेरित गतिविधि को आगे बढआने से पहले उचित प्रक्रिया का पालन करके कानून के नियमों और सिद्धांतों का पालन करना चाहिए।

एच क्वासी प्रेमपेह ने भी न्यायाधीश की बर्खास्तगी पर जताई चिंता

घाना के थिंक टैंक सेंटर फॉर डेमोक्रेटिक डेवलपमेंट घाना के निदेशक एच क्वासी प्रेमपेह ने न्यायाधीश की बर्खास्तगी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट के अन्य न्यायाधीश टोरकोर्नू को हटाने के पक्ष में हैं, तो यह कानून का उल्लंघन होगा, क्योंकि वह उनकी बोस हैं और इसमें उनका स्वार्थ हो सकता है। प्रेमपेह ने पारदर्शिता और संस्थागत सुधार की जरूरत पर जोर दिया।

यह न्यायिक स्वतंत्रता पर हमला-जस्टिन

न्यू पैट्रियटिक पार्टी के महासचिव जस्टिन फिम्पोंग-कोडुआ ने कहा कि यह न्यायिक स्वतंत्रता पर हमला है। उन्होंने राष्ट्रपति महामा पर संविधान का घोर उल्लंघन करने का आरोप लगाया। जस्टिन ने मुख्य न्यायाधीश टोरकोर्नू को तत्काल बहाल करने की मांग की। जस्टिन ने कहा, यह वह लोकतंत्र नहीं है, जिसकी घाना कामना करता है। एक ऐसे देश के रूप में जो कई चुनावों से गुजर चुका है, उसे प्रगति करनी चाहिए, न कि पीछे हटना चाहिए। राष्ट्रपति की कार्रवाई न केवल बेतुकी है, बल्कि घृणित और असांविधानिक भी है।

टेक्सास में महिला की गला घोंटकर हत्या करने पर युवक को मौत की सजा, 20 साल बाद पीड़िता को मिला न्याय

टेक्सास , एजेंसी। टेक्सास में महिला की गला घोंटने और चाकू मारकर हत्या करने वाले युवक को मौत की सजा दी गई। करीब 20 साल बाद पीड़िता को न्याय मिल सका। पीड़िता के रिश्तेदारों की मौजूदगी में अभियुक्त मोइसेस सैंडोवाल मेंडोजा को हंट्सविले के राज्य सुधार गृह में जानलेवा इंजेक्शन दिया गया। दोषी ने मार्च 2004 में 20 वर्षीय महिला रेचेल ओ नील टॉलसन की हत्या की थी।

सजा से पहले दोषी मेंडोजा के लिए आध्यात्मिक सलाहकार ने लगभग दो मिनट तक प्रार्थना की। इसके बाद मेंडोजा ने पीड़िता के माता-पिता और रिश्तेदारों से बार-बार माफी मांगी। उसने कहा कि मुझे आपसे रेचेल की जिंदगी छीनने का अफसोस है। मैंने एक बेटी से उसकी मां को छीन लिया है। मुझे इसके लिए खेद है। मुझे पता है कि मैं जो कुछ भी कह सकता हूं या कर सकता हूं, वह कभी भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता। मैं चाहता हूं कि आप जान लें कि मैं ईमानदार हूं। मैं क्षमा चाहता हूं।

दोषी ने अपनी पत्नी, अपनी बहन और दो दोस्तों से कहा कि मैं तुमसे प्यार करता हूं, मैं तुम्हारे साथ हूं, मैं ठीक हूं और शांति में हूं। आप जानते हैं कि मैं ठीक हूं, और सब प्यार है। इसके बाद दोषी युवक को जानलेवा इंजेक्शन लगाया गया। इसके बाद उसने जोर से हांफना शुरू कर दिया। इसके बाद उसकी सभी गतिविधियां बंद हो गईं और 19 मिनट बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया।

अभियोजकों ने कहा कि 41 वर्षीय मेंडोजा ने अपनी छह महीने की बेटी को अकेला छोड़कर टॉलसन को उसके उत्तरी टेक्सास के घर से ले लिया। टॉलसन का शव एक नाले के पास एक खेत में पड़ा मिला। मेंडोजा ने अपनी अंगुलियों के निशान छिपाने के लिए टॉलसन के शरीर को जला दिया था। जांचकर्ताओं के मुताबिक टॉलसन की पहचान के लिए डेंटल रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया गया था।

इससे पहले बुधवार को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मेंडोजो के वकीलों द्वारा उसकी फांसी रोकने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। निचली अदालतों ने भी उसकी याचिकाओं को खारिज कर दिया था। टेक्सास बोर्ड ऑफ पार्डन्स एंड पैरोल ने सोमवार को मेंडोजा के इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया कि उसकी मौत की सजा को कम सजा में बदला जाए।

संक्षिप्त समाचार

यूएस में विस्कॉन्सिन बेस की पहली महिला कमांडर निलंबित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने विस्कॉन्सिन प्रशिक्षण बेस की पहली महिला कमांडर को निलंबित कर दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर दीवार पर लगाए जाने के बाद यह कार्रवाई हुई है। अमेरिकी सेना के मुताबिक उन्हें पता चला कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ की तस्वीरों को दीवार की ओर घुमाकर लगा दिया गया था। ऐसा करने के लिए कर्नल शैला बेज़ रामिरेज़ को बेस के गैरीसन कमांडर के पद से निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि रक्षा विभाग ने बीते 14 अप्रैल को एक्स पर तस्वीरें साझा की थीं। इनमें दिखाया गया कि बेस की कमान दीवार पर लगे ट्रम्प और हेगसेथ के चित्रों को दीवार की ओर कर दिया गया है।

नेपाल : ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल की ओली संग द्विपक्षीय वार्ता

काठमांडू, एजेंसी। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने बुधवार को नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात की। इस दौरान घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। सिंहदरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई बैठक के दौरान ऊर्जा क्षेत्र के विकास और दोनों देशों के बीच सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। मनोहर लाल अपने समकक्ष ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री दीपक खडका के निमंत्रण पर मंगलवार को काठमांडू पहुंचे।

यूक्रेन पर रूस के भीषण हमलों में नौ लोगों की मौत, 63 अन्य घायल

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन पर बुधवार रात बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए जिनमें नौ लोगों की मौत हो गई और छह बच्चों सहित 63 अन्य लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। 'कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन' ने अपने 'टेलीग्राम' चैनल पर बताया कि रूस ने कीव पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। शहर के सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि इन हमलों के कारण कई आवासीय इमारतों में आग लगने की सूचना मिली है।

क्रीमिया पर जोर देकर जेलेंस्की युद्ध को लंबा खींच रहे-ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की पर निशाना साधते हुए कहा कि क्रीमिया के मुद्दे पर जोर देकर वह युद्ध को लंबा खींच रहे हैं। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब जेलेंस्की ने संभावित शांति योजना के तहत क्रीमिया को रूस को सौंपने से इंकार कर दिया। जेलेंस्की ने लंदन में बुधवार को अमेरिका, यूरोपीय और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच होने वाली उच्च स्तरीय वार्ता से पहले किसी भी समझौते के तहत यूक्रेन द्वारा रूस को क्षेत्र सौंपे जाने के विचार को खारिज कर दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, ''इस बारे में कोई बात नहीं होगी। यह हमारी भूमि है, यूक्रेनी लोगों की भूमि है।'' ट्रंप ने बुधवार को सोशल मीडिया 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, ''यह बयान रूस के साथ शांति वार्ता के लिए बहुत हानिकारक है, क्योंकि क्रीमिया को वर्षों पहले (अमेरिका के पूर्व) राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान गंवा दिया गया था, और यह चर्चा का विषय भी नहीं है।

पोप को श्रद्धांजलि-जनता के लिए खुला सेंट पीटर्स बेसिलिका, अंतिम झलक पाने के लिए उमड़े हजारों लोग

वेटिकन सिटी, एजेंसी। वेटिकन ने पोप फ्रांसिस को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए सेंट पीटर्स बेसिलिका आम जनता के लिए खोला। पोप की अंतिम झलक को हजारों लोग केंद्रीय गलियारे में जुटे। फ्रांसिस का पार्थिव शरीर शनिवार को दफनाए जाने तक उसे यहीं रखा जाएगा। कैथोलिक पादरियों ने इस संबंध में अंतिम रस्म निभाई। नया पोप चुने जाने तक वेटिकन प्रशासन का कामकाज देख रहे कार्डिनल केविन फैरेल ने समारोह की अध्यक्षता की, जहां फ्रांसिस रहते थे। लाल रंग के परिधान और टोपी पहने पादरियों ने प्रार्थना की बेसिलिका के बाहर, लंबी मोमबत्तियां लिए पादरियों के जुलूस को अंदर प्रवेश करते हुए देखने के लिए सेंट पीटर्स स्क्वायर पर आम लोग उमड़ पड़े। वेटिकन निवासियों और पोप के परिवार के लिए निजी दर्शन के वास्ते फ्रांसिस की पार्थिव देह को पहली बार सेंटा मार्टा डोमस में रखा गया था। तीन दिन तक चलने वाला यह सार्वजनिक अंतिम दर्शन मुख्य रूप से आम कैथोलिकों के लिए है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पोप के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक संदेश वाली पोस्ट हटा ली है। पोस्ट में लिखा था, पोप फ्रांसिस, आपकी आत्मा को शांति मिले। उनकी स्मृतियां आशीर्वाद बनी रहें। इस्राइली मीडिया के अनुसार इस पोस्ट पर कुछ राजदूत, खासतौर पर कैथलिक बहुल देशों में कार्यरत राजनयिक नाराज थे। इस पर इस्राइल ने टिप्पणी से इन्कार कर दिया।

अमेरिका के न्यू जर्सी में तेजी से फैल रही जंगल की आग

न्यू जर्सी, एजेंसी। न्यू जर्सी के पाइन बैरेंस में जंगल की आग तेजी से फैल गई है, हालांकि अधिकारियों ने पहले दिए गए क्षेत्र खाली करने के आदेश को वापस ले लिया और आग के कारण बंद किए गए प्रमुख राजमार्ग के एक हिस्से को फिर से खोल दिया गया। इससे पहले, 'न्यू जर्सी फॉरेस्ट फायर सर्विस' ने बताया था कि 1,300 से अधिक इमारतों को ख़तरा है और लगभग तीन हजार लोगों को अन्यत्र भेजा गया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि क्षेत्र खाली करने के आदेश निरस्त कर दिए गए हैं।

बार्नेगेट पुलिस विभाग के अनुसार, दो स्कूलों में आश्रय स्थल बनाए गए हैं। न्यू जर्सी के सबसे व्यस्त राजमार्गों में से एक गार्डन स्टेट पार्कवे को बुधवार सुबह फिर से खोल दिया गया। अधिकारियों ने राज्य के दक्षिणी भाग में लगभग 12 किलोमीटर लंबा हिस्सा बंद कर दिया था। पाइन बैरेंस में जंगल की आग एक सामान्य घटना है यहां 445,000 हेक्टेयर का राज्य और संघीय संरक्षित वन क्षेत्र है।न्यू जर्सी के सबसे व्यस्त राजमार्गों में से एक गार्डन स्टेट पार्कवे को मंगलवार रात बार्नेगेट और लेसी टाउनशिप के बीच बंद कर दिया गया था। ओशन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बुधवार सुबह पोस्ट किया कि इसे फिर से खोल दिया गया है। 'जर्सी सेंट्रल पावर एंड लाइट कंपनी' ने मंगलवार शाम 'फॉरेस्ट फायर सर्विस' के अनुरोध पर लगभग 25 हजार उपभोक्ताओं की बिजली काट दी।

लंदन में मीटिंग करने वाले थे जेलेंस्की, आखिरी घड़ी में टल गयी बैठक

लंदन, एजेंसी। लंदन में होने वाले यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन को अचानक स्थगित कर दिया गया, क्योंकि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो सहित कई शीर्ष राजनयिकों ने वार्ता से हाथ खींच लिए, जिससे युद्ध के अंतिम चरण पर पश्चिमी एकता के बारे में नए सवाल उठने लगे। रुबियो द्वारा अंतिम समय में कार्यक्रम रद्द करने की घोषणा कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले की गई के बाद फ्रांस और जर्मनी के विदेश मंत्रियों ने भी इसी तरह के फैसले लिए, जिससे शिखर सम्मेलन को निचले स्तर के अधिकारियों के साथ आगे बढ़ाना पड़ा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने स्पष्ट किया कि यह बदलाव पूरी तरह से तार्किक था, उन्होंने मंगलवार को पुष्टि की कि हालांकि शुरू में यात्रा करने का कार्यक्रम था, लेकिन रुबियो अपने ब्रिटिश समकक्ष से बात करने के बाद आने वाले महीनों में अपनी यूके यात्रा को पुनर्निर्धारित करेंगे।

रुबियो ने एक्स पर लिखा, मैं लंदन में चल रही चर्चाओं के बाद आगामी महीनों में ब्रिटेन की अपनी यात्रा को पुनर्निर्धारित करने के लिए उत्सुक हूं। रुबियो के अचानक पीछे हटने से वार्ता की दिशा को लेकर संदेह पैदा हो गया। यह तब हुआ जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेन्स्की ने किसी भी संभावित शांति समझौते के हिस्से के रूप में रूस को अपने देश का कोई भी इलाका सौंपने से इनकार कर दिया और इसे एक बेकार की बात कहा। यूक्रेनी नेता ने मंगलवार को उन खबरों के जवाब में यह बात कही, जिनमें कहा गया था कि ट्रंप प्रशासन एक ऐसे सौदे का प्रस्ताव पेश करने जा रहा है, जो रूस को संभावित शांति समझौते के हिस्से के रूप में, कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्र को अपने पास रखने की अनुमति देगा।

वार्ताकार तो 30 दिन का सीमित युद्धविराम भी सुनिश्चित नहीं कर पाये क्योंकि दोनों पक्ष 1,000 किलोमीटर लंबी अग्रिम सीमा पर एक-दूसरे पर लगातार आक्रमण कर रहे हैं। क्षेत्रीय प्रमुख सेरही ल्यासक ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा कि बुधवार सुबह पूर्वी यूक्रेन में द्निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र के मार्गनेत्स में एक रूसी ड्रोन ने श्रमिकों को ले जा रही बस पर हमला किया, जिसमें सात महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस हमले में 40 से अधिक लोग घायल भी हो गए।

इस्तांबुल में भूकंप, 151 लोग घायल -गवर्नर कार्यालय

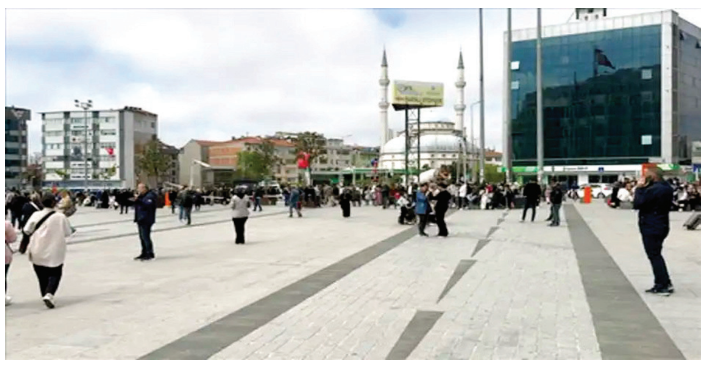

इस्तांबुल, एजेंसी। इस्तांबुल के गवर्नर कार्यालय ने बताया कि बुधवार को आए 6.2 तीव्रता के भूकंप के दौरान घबराहट और बिल्डिंग से कूदने की घटनाओं के कारण 151 लोग घायल हो गए। कार्यालय ने बताया कि घायल व्यक्तियों का फिलहाल अस्पतालों में इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति ठीक है। समाचार एजेंसी शि़न्हुआ के अनुसार स्थानीय समयानुसार अपराह्न 3-30 बजे तक किसी के मरने की खबर नहीं है।

गवर्नर कार्यालय ने पुष्टि की है कि फतिह जिले में एक इमारत को छोड़कर, पूरे शहर में कोई भी आवासीय इमारत नहीं गिरी है। कार्यालय के अनुसार, ऊर्जा आपूर्ति, प्राकृतिक गैस वितरण, या पेयजल एवं सीवेज अवसंरचना में कोई व्यवधान नहीं आया है, जिससे दैनिक जीवन पर प्रभाव पड़े।

भूकंप के बीच पार्कों, स्कूल के मैदानों और अन्य खुले क्षेत्रों में लोग जमा हो गए। कुछ लोगों ने पार्कों में टेंट लगा लिए। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तय्यिप एर्दोगान ने राष्ट्रीय संप्रभुता एवं बाल दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, भगवान का शुक्र है कि फिलहाल कोई समस्या नहीं है। ईश्वर हमारे देश और हमारे लोगों को सभी प्रकार की विपत्तियों, आपदाओं, दुर्घटनाओं और परेशानियों से बचाए।

संचार निदेशालय के अनुसार, तुर्की के राष्ट्रपति को इस्तांबुल के गवर्नर से भूकंप के बारे में जानकारी मिली। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि भूकंप लगभग 7 किमी (4.3 मील) की गहराई पर आया तथा 13 सेकंड तक रहा।

इससे पहले दिन में, आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी ने घोषणा की कि भूकंप का केंद्र इस्तांबुल के यूरोपीय हिस्से में सिलिवरी जिले में मरमारा सागर में 6.92 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। तुर्की में भूकंप अक्सर आते रहते हैं, क्योंकि यह दो प्रमुख फॉल्ट लाइनों से होकर गुजरता है।

फरवरी 2023 में 7.8 तीव्रता के भूकंप और दूसरे शक्तिशाली झटके के कारण 53,000 से अधिक लोग मारे गए और दक्षिणी तथा दक्षिण-पूर्वी तुर्की में लाखों इमारतें नष्ट हो गईं या क्षतिग्रस्त हो गईं। पड़ोसी देश सीरिया के उत्तरी भागों में 6,000 से अधिक लोग मारे गए। हालांकि इस्तांबुल में उस भूकंप से हुई तबाही से काफी हद तक बचाव हो गया, लेकिन इससे भविष्य में इसी तरह की, उतनी ही विनाशकारी घटना की आशंका बढ़ गई।

शी चिनफिंग और अजरबैजान के राष्ट्रपति ने की मुलाकात

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बुधवार को राजधानी पेइचिंग में यात्रा पर आए अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम हैदर ओग्लू अलीयेव के साथ मुलाकात की। इस मौके पर शी चिनफिंग ने कहा कि यह आपकी तीसरी चीन यात्रा है। दस साल बाद आप फिर एक बार चीन आए। मैं आपका हार्दिक स्वागत करता हूं। पिछले साल जुलाई में हमने कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में अच्छी बातचीत की और चीन-अजरबैजान संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया। आज हम दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने की घोषणा करेंगे। दोनों पक्ष सिलसिलेवार सहयोग दस्तावेज भी संपन्न करेंगे। चीन-अजरबैजान संबंधों का रणनीतिक अर्थ और समृद्ध होगा। विश्वास है कि आपकी यात्रा में व्यापक सफलता मिलेगी।

शी चिनफिंग ने यह भी कहा कि हालांकि अंतर्राष्ट्रीय स्थिति में बड़ा परिवर्तन हो रहा है, लेकिन चीन-अजरबैजान संबंध फिर भी मजबूत हैं। दोनों देश हमेशा आपसी सम्मान, निष्पक्षता, न्याय और समान जीत वाला सहयोग करते हैं। हमें आपसी राजनीतिक विश्वास मजबूत कर व्यवहारिक सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना चाहिए, ताकि दोनों देशों के बीच चतुर्मुखी सहयोग का नया अध्याय जोड़ा जा सके। वहीं, अलीयेव ने कहा कि मैंने आपके निमंत्रण पर कई बार चीन की यात्रा की। मेरी नजर में यह हमारे दोनों देशों के बीच मजबूत मित्रता का प्रतिबिंब है। जब भी चीन आता हूं, मैं चीन में हुए नए विकास देख सकता हूं। अजरबैजान एक चीन की नीति पर कायम रहता है और चीन द्वारा प्रस्तुत मानव जाति साझे भविष्य वाले समुदाय के निर्माण की विचारधारा, वैश्विक विकास पहल, वैश्विक सुरक्षा पहल व वैश्विक सभ्यता पहल का समर्थन करता है।

पाकिस्तान से इस्राइल जैसा बदला ले भारत, पेंटागन के पूर्व अधिकारी बोले- अब कोई रास्ता नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में गुस्सा है। सभी पहलगाम के बायसरन में हुए आतंकी हमले की निंदा कर रहे हैं। इस बीच, पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने इस हमले को लेकर सीधे तौर पर पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर के उस भाषण को जिम्मेदार ठहराया है जिसमें उन्होंने कहा था कश्मीर पर हमारा रुख एकदम साफ है, यह हमारी गर्दन की नस थी, यह हमारी गर्दन की नस रहेगी। हम इसे नहीं भूलेंगे। हम अपने कश्मीरी भाइयों को उनके संघर्ष में नहीं छोड़ेंगे। पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने कहा कि इस हमले के बाद साफ है कि भारत को पाकिस्तान की गर्दन काटने की ज़रूरत है। इसमें कोई शक या संदेह नहीं होना चाहिए।

पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने कहा कि हम जानते हैं कि पाकिस्तान कई आतंकवादी समूहों का घर है, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा भी शामिल है।

दुर्भाग्य से, पाकिस्तानी राजनयिकों द्वारा पश्चिम को मूर्ख बनाने के कारण आतंकवाद विरोधी कार्रवाई की कमी के कारण, अब हमारे पास न केवल पाकिस्तान में बल्कि बांग्लादेश में भी ऐसी ही समस्या का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में खुफिया जानकारी सामने आएगी। मुझे यकीन है कि कुछ संकेत मिलेंगे। वैचारिक दलदल के आधार पर कहा जा सकता है कि यह पाकिस्तान की आईएसआई है, तथा वे ही तार्किक और वैचारिक रूप से एकमात्र देश हैं जो इस समय संदिग्ध हैं।

इस्राइल पर सात अक्तूबर के हमले जैसा ही पहलगाम हमला : उन्होंने आगे कहा कि यह वैसा ही है जैस 7 अक्तूबर 2023 को हमास ने इस्राइल पर हमला किया था।

वह हमला खास तौर पर यहूदियों के खिलाफ था और सिर्फ यहूदियों के खिलाफ ही नहीं, बल्कि उन सबसे उदार यहूदियों के खिलाफ था जो गाजा पट्टी के साथ शांति और सामान्य स्थिति चाहते थे। अब छुट्टी मनाने वाले रिसॉर्ट पर मध्यम वर्ग के हिंदुओं को निशाना बनाने से साफ है कि पाकिस्तानी अब वही रणनीति अपना रहे हैं। ऐसे में अब भारत का कर्तव्य है कि वह पाकिस्तान और पाकिस्तान की आईएसआई के साथ वैसा ही करे जैसा इस्राइल ने हमास के साथ किया था। अब समय आ गया है कि ढ्ढस्ढ्ढ के नेतृत्व को खत्म कर दिया जाए और उन्हें एक नामित आतंकवादी समूह के रूप में माना जाए और मांग की जाए कि भारत का सहयोगी हर देश, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का सहयोगी हर देश ऐसा ही करे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने को लेकर पुलिस कमिश्नर गहेलोत की स्पष्टता,सर्वे किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य में रह रहे विदेशी नागरिकों, खासकर पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर उन्हें तुरंत देश वापस भेजने के लिए राज्य सरकार ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। राज्य के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने इस संबंध में सभी जिलों के पुलिस प्रमुखों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं।

इस संबंध में सूरत शहर के पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहेलोत ने जानकारी देते हुए बताया कि, "राज्य गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के निर्देश के अनुसार हमारा कार्य शुरू हो चुका है। फिलहाल हम सूरत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की सूची तैयार कर रहे हैं। ये नागरिक कई तरह की श्रेणियों में आते हैं - जैसे कि वीज़ा पर रह रहे लोग, जिनका वीज़ा खत्म हो चुका है और कुछ मामलों में ऐसे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने भारत में स्थायी निवास के लिए आवेदन किया है।"

उन्होंने आगे जोड़ा कि, "हमारा मुख्य ध्यान उन नागरिकों पर है जिनका वीज़ा समाप्त हो चुका है या जो नियमों के विरुद्ध देश में रह रहे हैं। सभी विस्तृत जानकारी एकत्रित करने के बाद वह सूची गुजरात राज्य गृह विभाग को भेजी जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई के तहत उन्हें उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।"

पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि, "यह प्रक्रिया पूरी तरह से कानूनी और मानवाधिकारों के मानकों के अनुसार चलाई जाएगी। जैसे-जैसे जानकारी तैयार होती जाएगी, हम मीडिया और जनता को विवरण प्रदान करेंगे।"

राज्य सरकार का यह निर्णय देश की आंतरिक सुरक्षा और स्थानीय व्यवस्था बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। साथ ही यह भी माना जा रहा है कि सरकार द्वारा दशकों से चल रही ऐसे विदेशी नागरिकों की अवैध निवास की समस्या का समाधान लाने का प्रयास किया जा रहा है।

व्यापारी ने नई पीढ़ी शुरू की तो पत्नी का अपहरण कर मारने की धमकी दी

व्यापारी को हैरानगति कर खंडणी मांगने के खिलाफ FIR

स्क्रैप व्यापारी को धमकाकर 10 लाख रुपये वसूल किए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के अडाजण क्षेत्र में रहने वाले स्क्रैप व्यापारी से डराकर, धमकाकर खंडणी मांगने का गंभीर मामला सामने आया है। सूरत पुलिस में दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, अडाजण गांव के माह्यवंशी मोहल्ले में स्थित श्रीनाथ अपार्टमेंट में रहने वाले 33 वर्षीय इंद्रजीत प्लाबन मित्रा ने वेसू क्षेत्र में रहने वाले अमित कुमार तिवारी के खिलाफ खंडणी और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में

शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायतकर्ता इंद्रजीत मित्रा ने बताया कि वे जनवरी 2021 से पहले च्जीत एंटरप्राइजज नाम से स्क्रैप का व्यापार कर रहे थे। उस समय वडोदरा DGGI द्वारा उनके व्यापार पर सर्च नोटिस भेजा गया था। इस घटना के बाद, केंद्रीय जी.एस.टी. कार्यालय में पहचाने गए अमित तिवारी से फिर संपर्क किया और वेसू क्षेत्र के आगम शॉपिंग मॉल स्थित "मूनलाइट होटल" में एक बैठक आयोजित की, जिसमें अमित ने कहा कि, "यह रेड मैंने ही करवाई थी और DGGI से बचने के लिए 15 लाख देने होंगे।"

इस घटना से डरे हुए व्यापारी को तब से लगातार हैरानगति का सामना करना पड़ा। अमित तिवारी ने केवल धमकी देने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि व्यापारी से कहा कि, "अगर पैसे नहीं दोगे, तो तेरी पत्नी का अपहरण करके मार देंगे।" ऐसी जान से मारने की गंभीर धमकी देकर 10 लाख रुपये वसूल किए गए थे। इसके बाद मामला यहीं नहीं रुका। व्यापारी ने पहले अपनी पुरानी पीढ़ी बंद कर नई पीढ़ी शुरू की, लेकिन अमित तिवारी ने फिर से उसे निशाना बनाया। दूसरी बार भी उसने कहा, "तुमने फिर से पीढ़ी शुरू की है, और उसमें रेड न पड़े, ताकि तुम पूरी जिंदगी जेल में न जाओ, इसके लिए अब और 50 लाख देने होंगे।"

आखिरकार अडाजण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई इन बार-बार धमकियों, हैरानगति और खंडणी की मांग से तंग आकर व्यापारी ने आखिरकार अडाजण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अमित कुमार तिवारी के खिलाफ खंडणी का मामला दर्ज किया और आगे की जांच शुरू कर दी है।

मॉडल के खिलाफ टेक्सटाइल व्यापारी की पत्नी का आरोप

पति के खिलाफ दुष्कर्म मामले में समझौते के बाद फिर से हैरानगति

भद्दी टिप्पणियों के साथ पति-पत्नी का फोटो वायरल किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े व्यापारी और उनकी पत्नी के नाम पर इंस्टाग्राम पर तीन अकाउंट बनाए गए हैं। व्यापारी की पत्नी ने एक मॉडल पर सोशल मीडिया के माध्यम से चरित्रहनन का गंभीर आरोप लगाया है। घोड़दोड़ रोड क्षेत्र में रहने वाली ख्याति मितेश जैन द्वारा मॉडल के खिलाफ उमरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत के अनुसार, ख्याति और उनके पति मितेश के फोटो के साथ सोशल मीडिया पर भद्दे लेख पोस्ट कर मॉडल ने तीनों फेक इंस्टाग्राम अकाउंट्स के माध्यम से इन्हें वायरल किया था।

शिकायत में बताया गया कि ख्यातिबेन पिछले कई सालों से सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं और केवल एक इंस्टाग्राम आईडी चलाती हैं। इसके बावजूद अचानक 22 अप्रैल, 2025 को उन्हें एक अज्ञात आईडी से एक फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली, जिसमें उनके और उनके पति की तस्वीरें और अभद्र टिप्पणियाँ दिखाती पोस्ट्स नजर आईं। इसके बाद क्रमशः और दो आईडी से भी उन्हें फ्रेंड रिक्वेस्ट मिलती गई।

मितेश जैन ने बताया कि आईडी में डाली गई तस्वीरें और कमेंट्स सिर्फ ख्यातिबेन और मितेश जैन तक सीमित नहीं थे, बल्कि उनके ससुर, ननंद और माता-पिता को भी उस आईडी से रिक्वेस्ट भेजी गई थी। हालांकि, किसी ने भी उसे स्वीकार नहीं किया था। उस समय ख्यातिबेन के पति मितेश विदेश यात्रा पर ओमान गए हुए थे। उन्होंने अपनी पत्नी ख्यातिबेन को बताया कि यह आईडी मॉडल द्वारा बनाई गई थी और इसके बाद उन्होंने पत्नी को शिकायत करने की सलाह दी।

पुलिस ने बताया कि इस मॉडल ने पहले भी व्यापारी मितेश जैन के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में दोनों के बीच समझौता हो गया था। आरोप है कि समझौते के बावजूद इस मॉडल ने सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हुए ख्याति और उनके पति के नाम पर फेक अकाउंट बनाए और सोशल प्लेटफॉर्म पर मानसिक उत्पीड़न करना जारी रखा। शिकायतकर्ता ख्यातिबेन ने पुलिस को बताया कि उन्होंने इस फेक आईडी से पोस्ट किए गए सभी फोटो के स्क्रीनशॉट लिए और उन्हें प्रमाण के रूप में पुलिस को सौंपा है। पुलिस ने इस पूरे मामले में IPC 176 के तहत मामला दर्ज किया है।

पहले पति के खिलाफ दुष्कर्म मामले में समझौते के बाद फिर से हैरानगति टेक्सटाइल व्यापारी की पत्नी ने आरोप लगाया है कि एक मॉडल ने उनके पति-पत्नी का फोटो भद्दी टिप्पणियों के साथ वायरल किया है। इसके बाद से उनके परिवार को लगातार हैरानगति का सामना करना पड़ रहा है। महिला का कहना है कि पहले उनके पति के खिलाफ दुष्कर्म मामले में समझौता हो चुका था, लेकिन अब फिर से इस तरह की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

कटोर में हुआ अंतिम संस्कार

भाजपा नेताओं के कारण अर्थी को सोसायटी के बाहर रोक कर रखना पड़ा

अंतिम यात्रा 15 मिनट देरी से शुरू हुई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शैलेष कलथिया के अंतिम संस्कार की उनके घर पर तैयारी हो चुकी थी। नमामी निकलाकर उनके घर कस्तूरी बंगले के बाहर रोड पर खड़ी थी। परिजनों और रिश्तेदारों ने शैलेष कलथिया के पार्थिव शरीर की परिक्रमा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जब शव यात्रा गली से बाहर निकलने वाली थी, तभी किसी ने बताया कि सी.आर. पाटिल और हर्ष संघवी आने वाले हैं। हालांकि वे 15 मिनट देर से पहुंचे, जिसके कारण अर्थी को सोसायटी के गेट के बाहर रोड पर रोककर रखना पड़ा और इस दौरान अंतिम यात्रा करीब 15 मिनट देरी से शुरू हुई।

सूरत में निकली आतंकवाद की अंतिम यात्रा

आतंकवाद के पुतले को चप्पल और लातों से मारकर जताया गया आक्रोश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष लोगों पर किए गए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में 26 निर्दोष भारतीयों की जान गई है। इस अमानवीय और निर्मम हमले के विरोध में तथा हमले में मारे गए भारतीय नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सूरत शहर जिला कांग्रेस समिति द्वारा आयोजित आतंकवाद की अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग स्वेच्छा से शामिल हुए।

यह आतंकवाद की अंतिम यात्रा सरदार कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर सीतानगर चौक तक निकाली गई थी।

जिसमें लोगों ने आतंकवाद के पुतले को चप्पलें मारकर, लातों मारकर और विभिन्न तरीकों से अपना आक्रोश व्यक्त किया। अंतिम यात्रा जब सीतानगर चौक पहुँची, तब सूरत शहर जिला कांग्रेस समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिनेशभाई सावलिया, शिक्षा समिति के पूर्व सदस्य सुरेशभाई सुहागिया, चेतनभाई राडड़िया, संजयभाई डावरा, राजुभाई भालाला समेत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद के पुतले को ब्रिज से फांसी पर लटकाकर सार्वजनिक रूप से विरोध प्रदर्शन किया।

इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से सरकार के प्रति भावनात्मक अपील और मांग रखी गई कि "देश पर आई इस विकट परिस्थिति में पूरा कांग्रेस पार्टी सरकार के साथ खड़ा है। जैसे इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान पर हमला कर बांग्लादेश को अलग किया था, उसी तरह आज पूरा देश आपके निर्णय की प्रतीक्षा कर रहा है। ऐसे में आपको भी कोई कठोर निर्णय लेकर पाकिस्तान को करारा जवाब देना चाहिए और आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का आदेश सेना को देना चाहिए।"

एकल वनबधु युवा ने जीते दो राष्ट्रीय पुरस्कार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल वनबंधु परिषद की युवा इकाई फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसायटी (एफटीएस) का वार्षिक राष्ट्रीय युवा अभिज्ञ 2.0 एवं नेशनल मीट का आयोजन बेंगलूरु में किया गया। तीन दिवसीय आयोजन में 17 राज्यों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

आयोजन में सूरत युवा इकाई को एकल रन 2.0 के लिए बेस्ट फंडरेजर एवं अवेयरनेस इवेंट तथा एफटीएस किड्स के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। युवा अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल ने बताया की एकल रन के माध्यम से एकल अभियान की जन जागृति की गई जो गांव एवं शहर के बीच एक सेतु निर्माण का काम कर रहा है। एफटीएस किड्स बच्चों में राष्ट्र भावना एवं संस्कार के लिए कार्य कर रही है।

सूरत एफटीसी युवा से पुरस्कार अनुराग अग्रवाल, नकुल राठी एवं कुनाल गोलचा ने लिया।

आतंकी हमले में हुए शहीदों को दी श्रृंद्धांजलि

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,रिंग रोड स्थित जेजे मार्केट के व्यापारियों द्वारा पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए लोगो को गुरुवार को श्रृंद्धांजलि दी गई। इस मौके पर शाम सात बजे मैन गेट पर मोमबत्ती जलाकर उन्हें श्रृंद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष मोतीलाल प्रेमजानी, सचिव पवन मुरारका, उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष महेंद्रपाल खुराना, सहकोषाध्यक्ष रजनीश बंका सहित अनेकों पदाधिकारी एवं व्यापारी उपस्थित रहें।

सूरत जिले के ओलपाड तालुका के ईशनपुर गांव की पायलबेन पटेल बनीं 'ड्रोन दीदी'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूचना ब्यूरो, सूरत, गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को तकनीक से जोड़ते हुए राज्य सरकार द्वारा निरंतर परिवर्तन लाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के सशक्त नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न से प्रेरित "नमो ड्रोन दीदी योजना" के अंतर्गत आज कई गांवों की महिलाएं आत्मनिर्भर बनने की राह पर आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में सूरत जिले के ओलपाड तालुका के एक छोटे से गांव ईशनपुर की पायलबेन पटेल आज 'ड्रोन दीदी' के रूप में प्रसिद्ध हो गई हैं। तकनीक और आत्मनिर्भरता के साथ ग्रामीण जीवन में क्रांति लाने वाली पायलबेन की यात्रा गुजरात के महिला सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल बन चुकी है।

खेती-किसानी पर निर्भर परिवार से आने वाली पायलबेन ने सूरत के अठवालाइंस स्थित गर्ल्स पॉलिटेक्निक कॉलेज से डिप्लोमा इन कमर्शियल प्रैक्टिस किया। इसके बाद उन्होंने एक निजी कंपनी में अकाउंट विभाग में नौकरी की, जहाँ उन्हें प्रति माह 12,000 वेतन मिलता था। लेकिन जीवन में कुछ नया करने के विचार से उन्होंने नौकरी

छोड़कर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कदम रखा और ड्रोन ऑपरेटर के रूप में अपने व्यवसाय की शुरुआत की।

वर्ष 2023 में पायलबेन ने पुणे में आयोजित 15 दिन की विशेष ट्रेनिंग ली। इस प्रशिक्षण में उन्हें ड्रोन उड़ाने, संचालन और नियमों की तकनीकी जानकारी दी गई। IFFCO द्वारा आयोजित इंटरव्यू और लिखित परीक्षा सफलतापूर्वक पास करने के बाद उन्हें सरकारी सहायता के अंतर्गत 15.30 लाख मूल्य के उपकरण जैसे मीडियम साइज ड्रोन, ई-व्हीकल टेम्पो और जनरेटर नि:शुल्क प्राप्त हुए।

प्रशिक्षण पूरा करने के बाद पायलबेन ने ओलपाड तालुका के 36 से अधिक गांवों में खेतों में ड्रोन के माध्यम से कीटनाशक दवाओं के छिड़काव का कार्य शुरू किया। मात्र दो वर्षों में उन्होंने 5.50 लाख से अधिक की आय अर्जित की, जो उनकी पुरानी नौकरी से कई गुना अधिक है।

पायलबेन बताती हैं कि ड्रोन ऑपरेट करना अत्यंत जिम्मेदारी का कार्य है। खेत का नक्शा ड्रोन में फीड करके कंपास कैलिब्रेशन के माध्यम से ड्रोन को निर्धारित क्षेत्र में उड़ाना होता है। अपने अनुभव साझा करते हुए वे कहती हैं कि ड्रोन से दवा छिड़काव से समय, दवा और पानी की बचत होती है और खेत में कार्यक्षमता बढ़ती है। खासकर ऊँची फसलें जैसे गन्ने की खेती में यह तकनीक बेहद प्रभावी साबित हुई है। एक एकड़ खेत में केवल सात मिनट में छिड़काव संभव होता है।

पायलबेन ओलपाड तालुका के कई गांवों में लोकप्रिय हो चुकी हैं और उन्हें लगातार नए कार्यों के लिए संपर्क किया जा रहा है। घर का कामकाज, पति और चार साल की बेटी की जिम्मेदारी निभाते हुए भी वे अपनी दक्षता और निष्ठा से तकनीक के साथ बेहतरीन तालमेल स्थापित कर रही हैं। पायलबेन के प्रयासों ने आज

की ग्रामीण महिलाओं को एक नई दिशा दिखाई है। उन्होंने न केवल अपने जीवन में बदलाव लाया है बल्कि अपने आसपास की महिलाओं के लिए भी प्रेरणा स्रोत बनी हैं।

पायलबेन पटेल - एक ऐसी 'ड्रोन दीदी' जिन्होंने खेती में तकनीक की दिशा में नया इतिहास रच दिया और आज गुजरात के ग्रामीण विकास यात्रा में एक मजबूत सीढ़ी साबित हो रही हैं।

(विशेष लेख: मेहुल वांजवाला)